नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, मंगलवार
01 अप्रैल 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 32 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

आज रखा जाने वाला तीसरा व्रत

चंद्रघण्टा

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघंटा है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन किया जाता है। इनका यह स्वरूप परम शान्तिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घंटे के आकार का धर्मचंद्र है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनके दस हाथ हैं। दसों हाथों में खड्ग आदि शस्त्र तथा बाण आदि अस्त्र विभूषित है। इनका वाहन सिंह है। दुष्टों का दमन और विनाश करने में सदैव तत्पर रहने के बाद भी इनका स्वरूप दर्शक और आराधक के लिये अत्यंत सौम्यता एवं शन्ति से परिपूर्ण रहता है।

ईद पर मचा बवाल

जुलूस के दौरान पुलिस से भिड़े लोग, इलाके में फोर्स तैनात

टोंक । ईद के मौक पर टोंक जिले के मालपुरा में बवाल हो गया। यहां जुलूस की बात को लेकर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर आकर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने उनको रोकने का प्रयास किया।

टोंक जिले के मालपुरा से ईद उल फितर की नमाज के बाद बड़ा घटनाक्रम सामने आया। नमाज अदा करने के बाद जब बड़ी संख्या में नमाजी एक साथ बाहर निकले तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान केकड़ी मार्ग कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया। हालात तब और तनावपूर्ण हो गए जब जुलूस को बाजार में ले जाने के लिए प्रदर्शन किया गया।

पुलिस का हस्तक्षेप और मार्ग निर्धारण डीएसपी आशीष प्रजापत और थाना प्रभारी चेनाराम बेडा के नेतृत्व में पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जुलूस केवल निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। पुलिस की सख्ती के बाद माहौल शांत हुआ और निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकाला गया।

शेष पेज 2 पर

ईद की नमाज के बाद बवालः नूंह में दो पक्षों में झड़प, 12 से अधिक लोग घायल

नूंह। हिंसा की शुरूआत तब हुई जब ईदगाह से नमाज अदा करने के बाद घर लौट रहे एक समूह के लोगों का दूसरे पक्ष के कुछ लोगों से झगड़ा हो गया। ईद की नवाज के बाद पुरानी रंजिश को लेकर हरियाणा के नूंह स्थित तिरवाड़ा गांव में दो गुट आपस में भिड़ गए। इस भिड़ंत में करीब एक दर्जन से अधिक घायल हैं। घायलों को पुनहाना के सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह 9 बजे की है। **शेष पेज 2 पर**

अगले हफ्ते जम्मू-कश्मीर जाएंगे अमित शाह, उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। अपने दौरे के दौरान, शाह वर्तमान कानून और व्यवस्था परिदृश्य का आकलन करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने और सुरक्षा कर्मियों से बातचीत करने के लिए 7-8 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे। सूत्रों ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। अपने दौरे के दौरान, शाह वर्तमान कानून और व्यवस्था परिदृश्य का आकलन करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। चर्चा में आतंकवाद विरोधी अभियानों, सीमा पार से घुसपैठ के प्रयासों और जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है।

समीक्षा बैठक के अलावा गृह मंत्री सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करने और वहां तैनात बलों का मनोबल बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अग्रिम इलाकों का दौरा भी कर सकते हैं। यह यात्रा आतंकवाद से निपटने और सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की पृष्ठभूमि में हो रही है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में हाल ही में हुई आतंकी गतिविधियों को देखते हुए शाह का केंद्र शासित प्रदेश का दौरा महत्वपूर्ण है, जिससे क्षेत्र में शांति और शांतिपूर्ण माहौल खराब हुआ है।

शेष पेज 2 पर

टेस्ला शोरूम फूंके, दुनिया भर में भड़का आक्रोश, एलन मस्क से क्यों नाराज हुए अमेरिकी

नई दिल्ली। ये एजेंसियों को बंद कर रहा है, नौकरियों में कटौती कर रहा है। देश में कई वाहनों को आग लगा दी गई, ट्रम्प प्रशासन दोषियों पर घरेलू आतंकवाद का आरोप लगाएगा।

टेस्ला के विरोध में लोकतंत्र को बचाने के लिए हजारों प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर टेस्ला को जलाने का आह्वान किया। इस पर एलन मस्क ने कहा कि यह बेहद विडंबनापूर्ण है। अमेरिकी सरकार में उनके हस्तक्षेप के मद्देनजर उनकी कंपनी टेस्ला के खिलाफ दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन उनके सरकारी दक्षता विभाग के खिलाफ एक प्रतिरोध है। ये एजेंसियों को बंद कर रहा है, नौकरियों में कटौती कर रहा है। देश में कई वाहनों को आग लगा दी गई, ट्रम्प प्रशासन दोषियों पर घरेलू आतंकवाद का आरोप लगाएगा।

शेष पेज 2 पर

संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू हर सवाल का जवाब देंगे:किरेन रिजिजू

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि संसद के इसी सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा,कि सरकार विपक्ष के सभी सवालों के जवाब देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। बता दें कि इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भी कहा था कि सरकार संसद के बजट सत्र में ही वक्फ संशोधन बिल पेश करेगी।

केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उन्होंने सोमवार शाम एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार विधेयक के प्रावधानों से जुड़े हर सवाल का जवाब देने को तैयार है। इस विधेयक में अल्पसंख्यकों के साथ नाइंसाफी है, ऐसा कोई प्रावधान शामिल नहीं किया गया है। बकौल रिजिजू, जो वक्फ विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे शक्तिशाली लोग हैं। उन्होंने वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है। वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि विधेयक असांविधानिक है।

वक्फ संशोधन विधेयक गरीब

मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में

उन्होंने साफ किया कि आलोचना करना सबका अधिकार है, लेकिन उसका कुछ आधार भी होना चाहिए। बकौर रिजिजू, धार्मिक प्रतिबद्धताओं और मान्यताओं से परे जाकर कई संगठन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। विधेयक गरीब मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में है। इससे वक्फ बोर्ड के तहत संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

प्रेस वार्ता के दौरान रिजिजू ने कहा, सरकार संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है, सभी से अपील है कि सदन में बहस और चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि संसद के बाहर, रिकॉर्ड संख्या में परामर्श और विचार-विमर्श हुए हैं। संयुक्त संसदीय समिति (खढउ) ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे व्यापक परामर्श प्रक्रिया और सर्वोच्च प्रतिनिधित्व का रिकॉर्ड बनाया है। रिजिजू ने कहा कि विधेयक तैयार है, वे सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध करना चाहेंगे कि वे चर्चा में भाग लें और संसद के पटल पर अपने विचार रखें। उन्होंने विपक्ष से गुमराह न करने की अपील की।

केरल के सांसदों से समर्थन की अपील, रिजिजू ने किया स्वागत- इससे पहले आज ही केरल के कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने राज्य के सांसदों से केंद्र सरकार के इस विधेयक का समर्थन करने की अपील की। इस पत्र को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा करते हुए रिजिजू ने कहा, खुद अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य होने के नाते वे इस अपील का स्वागत करते हैं। बता दें कि केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्यमंत्री रिजिजू बौद्ध धर्म के मानने वाले हैं। खुद राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भी उनकी इस पहचान को रेखांकित कर इसे भारत के लिए गौरवशाली तथ्य बताया था। **शेष पेज 2 पर**

हाफिज सईद...शॉर्प-शूटर आया, गोली चलाई और हो गया नौ 2 ग्यारह, ईद पर पाकिस्तान में एक और आतंकी ढेर

करांची। रहमान लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रमुख वित्तपोषक था। उसकी मुख्य जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के लिए वित्तीय सहायता जुटाना था, जिसे पाकिस्तान और भारत में विभिन्न हमलों में शामिल होने के कारण कई देशों द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

कराची में रहमान का कथित तौर पर काफी प्रभाव था, वह लश्कर के धन उगाहने के कामों में केंद्रीय व्यक्ति के रूप में काम करता था। अलग-अलग इलाकों से धन इकट्ठा करने वाले लोग अपनी एकत्रित की गई रकम उसके पास लाते थे, जिसे वह समूह के उच्च अधिकारियों तक पहुंचाता था। रिपोर्ट के अनुसार, उसके गहरे संपर्क और धन प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका ने उसे लश्कर के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति बना दिया था ईद-उल-फितर के अवसर पर पाकिस्तान से बड़ी खबर सामने आ रही है। हाफिज सईद का करीबी मारा गया है।

शेष पेज 2 पर

वक्फ बिल संविधान पर सीधा हमला

जयराम रमेश का सवाल, JDU और TDP क्या कर रही?

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने सोमवार को कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संसद में विवादास्पद वक्फ विधेयक के पेश किए जाने पर उसके खिलाफ रुख अपनाएंगे।

वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक संविधान पर सीधा हमला है और इसकी बुनियाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर विपक्षी दल इसका विरोध कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियों जेडी(यू) और टीडीपी का क्या कहना है? उन्होंने कहा कि यह पहली बार था कि समिति में खंड-दर-खंड चर्चा की गई। अगर वे इसे लागू करते हैं, तो हम लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेंगे।

इससे पहले वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा था कि हम शुरू से ही यह कहते रहे हैं कि अगर वे इन बदलावों को महत्वपूर्ण मानते हैं तो उन्हें उन लोगों का भरोसा जीतना चाहिए जो इससे

प्रभावित होंगे। लेकिन आप इस विधेयक को संबंधित लोगों पर थोप रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपने विपक्ष के जेपीसी सदस्यों की राय पर विचार नहीं किया। जिन कानूनों के संशोधन से देश का सौहार्द बिगड़ सकता है, उन्हें लोगों पर नहीं थोपा जाना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने सोमवार को कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संसद में विवादास्पद वक्फ विधेयक के पेश किए जाने पर उसके खिलाफ रुख अपनाएंगे।

शेष पेज 2 पर

खतरा | क्या है घिबली, सोशल मीडिया के नए ट्रेंड के बाद क्यों हो रही

एआई से कॉपीराइट पर खतरे की बात?

नई दिल्ली। यह घिबली आर्ट है क्या? इसकी शुरूआत कहां से हुई? चैटजीपीटी ने इसे वायरल ट्रेंड कैसे बनाया? कौन-कौन इस फीचर का इस्तेमाल कर सकता है? जापान के एक स्टूडियो की आर्ट को अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए बार-बार बनाना कानूनी हद तक कितना सही है? घिबली की शुरूआत करने वाले कलाकारों का इस पर क्या कहना है? और इस आर्ट को लेकर एआई की पहुंच के बारे में क्या चचाएं हैं? आइये जानते हैं...

दुनियाभर में सोशल मीडिया पर इस वक्त जो एक चीज हर प्रोफाइल पर दिख रही है, वह है घिबली आर्ट। एक्स से लेकर इंस्टाग्राम और फेसबुक तक लोग लगातार एआई के जरिए अपनी और सेलिब्रिटीज की कार्टून नुमा तस्वीरों को देखते और इनका इस्तेमाल करते दिख रहे हैं। इन सबके बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पहुंच और इसके खतरों को लेकर भी चचाएं शुरू हो गई है। दरअसल, जापान की कॉमिक बुक्स और कार्टून शो के लिए इस्तेमाल होने वाली जिस घिबली आर्ट

को बनाने में एक जमाने में कई दिनों से लेकर महीनों का समय लग जाता था, अब एआई ने उन्हें कुछ ही सेकंड्स या मिनट्स में बनाना शुरू कर दिया है।

ऐसे में सवाल यह है कि आखिर यह घिबली आर्ट है क्या? इसकी शुरूआत कहां से हुई? चैटजीपीटी ने इसे वायरल ट्रेंड कैसे बनाया? कौन-कौन इस फीचर का इस्तेमाल कर सकता है? जापान के एक स्टूडियो की आर्ट को अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए बार-बार बनाना कानूनी हद तक कितना सही है? घिबली की शुरूआत करने वाले कलाकारों का इस पर क्या कहना है? और इस आर्ट को लेकर एआई की पहुंच के बारे में क्या चचाएं हैं? आइये जानते हैं...

घिबली तस्वीरों की खास बात यह है कि इसके कैरेक्टर हाथ से बनाए जाते थे। इनमें हमेशा हल्के पेस्टल रंगों का इस्तेमाल होता था और इन्हें तड़क भड़क से दूर ही दिखाया गया। घिबली आर्ट के विश्लेषकों का कहना है कि घिबली की सादगी और शांति ही लोगों को अपनी ओर खींचती है। ऐसे में कुछ ही वर्षों के अंदर इस स्टूडियो ने करोड़ों लोगों को अपना फैन बना लिया है।

चैटजीपीटी ने इसे वायरल ट्रेंड कैसे बनाया?

चैटजीपीटी ने बीते मंगलवार को अपना बिल्ट-इन इमेज जेनरेशन फीचर शुरू किया। ओपनएआई के जीपीटी-4ङ्क टूल ने एआई चैटबॉट को घिबली स्टाइल की तस्वीरें प्रॉसेस करने के फीचर से जोड़ दिया। नतीजा यह रहा कि एआई ने ऐसी फोटोज बनाना शुरू कर दिया, जो कि जापानी एनिमेटर हयाओ मियाजाकी की हाथ से बनाई हुई आर्ट जैसी ही लगती थीं। इसके चलते बुधवार तक घिबली इमेज पूरी दुनिया में वायरल होना शुरू हो गईं।

शेष पेज 2 पर

असम के कामरूप जिले में जिला दिवस समारोह, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मंत्री चंद्र मोहन पटवारी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

असमः असम के एक जिले कामरूप के जिला दिवस के अवसर पर आज कामरूप के अमीनगांव रेलवे ग्राउंड में आयोजित एक खुली बैठक में राज्य के पर्यावरण और वन मंत्री तथा कामरूप जिले के संरक्षक मंत्री चंद्र मोहन पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि किसी राज्य या क्षेत्र के विकास की प्राथमिक शर्त बेहतर कनेक्टिविटी है। असम की कनेक्टिविटी व्यवस्था में सुधार के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार की उल्लेखनीय उपलब्धियों ने राज्य को देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। मंत्री पटवारी ने यह भी कहा कि कामरूप जिले के लोगों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि एक ऐसे मुख्यमंत्री, जो विकास की एक नई प्रवृत्ति पैदा करने में सक्षम हैं, कामरूप जिले के विधायक हैं। मंत्री पटवारी ने अपने भाषण के संदर्भ में कहा कि कामरूप जिले के साथ-साथ राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। कामरूप जिला दिवस के अवसर पर अपने भाषण में, मंत्री ने कामरूप जिले के प्राचीन इतिहास का भी उल्लेख किया, जो असम में गठित पहले चार जिलों में से एक है। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि कामरूप, जिसका इतिहास के पन्नों में एक अद्वितीय स्थान है, अब औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में विशेष सफलता प्राप्त करने में सक्षम है। खुली बैठक में भाग लेने से पहले, मंत्री पटवारी ने आज कामरूप जिला दिवस के अवसर पर अमीनगांव रेलवे ग्राउंड में आयोजित एक स्वास्थ्य शिविर का भी उद्घाटन किया। आज के कार्यक्रम में विचारशील लेखक, वक्ता मयूर बोरा ने कामरूप जिले की विरासत और क्षमता पर विशेष वक्ता के रूप में भाषण रखें । इस अवसर पर कामरूप जिले के आयुक्त देव कुमार मिश्र ने प्रदेश व देश के मानचित्र पर कामरूप जनपद के भौगोलिक एवं सामाजिक-आर्थिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्राचीन काल से

कामरूप की विरासत के बारे में भी उल्लेख किया और उल्लेख किया कि हाल के दिनों में जिले में शिक्षा के साथ-साथ उद्योगों और वाणिज्य क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि हुई है। इस अवसर पर कमलपुर के विधायक दिगंत कलिता ने कहा कि कामरूप जिला का गठन वर्ष 2003 में प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि इस जिले के निर्माण से सरकारी सेवाओं और सुविधाओं को प्राप्त करने के मामले में जिले के लोगों को कैसे लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी हेमंत चौधरी ने अपने भाषण में यह भी कहा कि कामरूप जिले में एम्स, आईआईटी जैसे महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों की उपस्थिति असम के मानचित्र पर जिले के महत्व को इंगित करती है और कहा कि वर्तमान में जिला उद्योग क्षेत्र में भी एक लंबा रास्ता तय करने में सक्षम है। इस मौके पर कामरूप जिला परिषद के सीईओ सिद्धार्थ गोस्वामी भी मौजूद थे। आज की खुली बैठक में कामरूप जिले के बोको की प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता रेणु राभा और कामरूप जिले के पुथिमारी के नवा सुरुज कृषक उत्पादक संस्था को भी सम्मानित किया गया। इस बीच, जिले को तंबाकू मुक्त जिला बनाने के चल रहे प्रयासों के तहत, कामरूप जिला स्वास्थ्य समिति और जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से कमलपुर विकास खंड के पांच गांवों में किए गए एक संयुक्त सर्वेक्षण में एक तंबाकू मुक्त जीवन शैली अपनाने वाले परिवारों के रूप में पहचाने जाने वाले पांच परिवारों को तंबाकू मुक्त परिवारों के रूप में मान्यता दी गई। उधर, कामरूप जिला दिवस समारोह कार्यक्रम के क्रम में कामरूप जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र के नेतृत्व में हाजो रोड स्थित ऐतिहासिक अज्ञतुरी हिल्स में आज तड़के ट्रेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ट्रेकिंग कार्यक्रम का उद्घाटन कामरूप जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने किया और इसमें कामरूप के जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, अतिरिक्त जिला आयुक्त कमल बरुआ, सुजाता गोगोई और प्राणजीत कुमार देब, रंगिया सम जिला आयुक्त देबाशीष गोस्वामी और एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों सहित लगभग 70 संभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि अज्ञाथुरी सहित कामरूप जिले की पहाड़ियों में ट्रेकिंग जैसे साहसिक खेलों की लोकप्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से आज यह ट्रैकिंग कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। कामरूप जिला प्रशासन और कृषि विभाग की पहल पर अमीनगांव रेलवे ग्राउंड में आज उद्यानिकी एवं स्व-सहायता समूह मेले का भी आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन आज कामरूप जिले के पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां ने किया। आज के मेले में कामरूप जिले के विभिन्न विकास खंडों से आने वाले स्व-सहायता समूहों द्वारा अपनी उपज का प्रदर्शन और विक्रय किया जाता है और मेले में जिले के किसानों द्वारा उत्पादित सब्जी, फल, विभिन्न प्रकार के फल, शहद, पिट्ठा-पना, विभिन्न प्रकार के चावल आदि बेचकर किसानों को सीधा लाभ मिलता है। इसके अलावा किसानों के हित के लिए किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और किसान रजिस्टर में शामिल करने के लिए कैंप भी लगाए गए। इस शिविर से किसानों को बहुत लाभ होता है। जिला दिवस कार्यक्रम के अनुरूप, आज अमीनगांव रेलवे ग्राउंड में छात्रों के बीच पेंटिंग, क्विज और इंप्रोमेप्टू लेक्चर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। शाम को मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

वीरेंद्र सचदेवा बोले- भाजपा शासित हर राज्य में अबाधित बिजली सप्लाई, सरकार ने निजी कंपनियों को नहीं दिया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा नेता अपने राज्यों में अच्छी बिजली सप्लाई पर कोई ढोल नहीं पीटते। 24 घंटे बिजली सप्लाई शासन का कर्तव्य है। जनता पर कोई एहसान नहीं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को मालूम होना चाहिए कि दिल्ली देश की राजधानी है। यहां 24 घंटे बिजली आपूर्ति होती है तो यह कोई अनूठा काम नहीं है। भाजपा शासित मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, बडोदरा समेत कई जगहों पर अबाधित बिजली सप्लाई होती है। उत्तर प्रदेश जिसे 2017-18 तक बिजली उत्पादन एवं सप्लाई में बीमार प्रदेश माना जाता था, वह आज रात दिन रोशन प्रदेश की तरह जगमगाता है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा नेता अपने राज्यों में अच्छी बिजली सप्लाई पर कोई ढोल नहीं पीटते, क्योंकि 24 घंटे बिजली सप्लाई शासन का कर्तव्य है न की जनता पर कोई एहसान। आतिशी जिस शानदार पावर सप्लाई का दावा कर रही हैं, उसकी नींव दिल्ली में राष्ट्रपति शासन के दौरान 2014 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरूण जेटली ने संसद में दिल्ली का बजट पेश करते हुए रखी थी। वे बताएं कि क्या यह सच नहीं कि दिल्ली में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा कर उनकी सरकार ने निजी कंपनियों को लाभ नहीं दिया।

पेज एक का शेष...

ईद पर टोंक के मालपुरा में मचा बवाल

पुलिस और मुस्लिम समाज के आमने-सामने आने से बढ़ा तनाव बाद में पुलिस और मुस्लिम समाज के लोगों के बीच तनाव बढ़ गया, जिससे जयपुर-मालपुरा-दूदू स्टेट हाइवे जाम हो गया। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों से समझाइश की, जिसके बाद हाइवे को खुलवाया गया। हालांकि, ट्रक स्टैंड पर अब भी बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए हैं, जिससे इलाके में तनाव बना हुआ है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

स्थानीय प्रशासन का संदेश पुलिस और प्रशासन ने आमजन से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार, स्थिति अब नियंत्रण में है और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है।

ईद की नमाज के बाद बवालः नूंह में दो पक्षों में झड़प, 12 से अधिक लोग घायल

राशिद और साजिद नामक व्यक्तियों के समूहों के बीच पुरानी रंजिश के चलते यह विवाद हुआ है।

गांव में पुलिस तैनात-सूचना मिलने के बाद कई थानों की टीम गांव पहुंची और मामले के शांत कराया। अधिकारियों ने बताया कि शांति सुनिश्चित करने के लिए गांव में पुलिस की एक टीम तैनात की गई है।

ऐसे शुरू हुआ विवाद-हिंसा की शुरूआत तब हुई जब ईदगाह से नमाज अदा करने के बाद घर लौट रहे एक समूह के लोगों का दूसरे पक्ष के कुछ लोगों से झगड़ा हो गया। इसके बाद दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद हिंसा रुक गई और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

जल्द दर्ज होगी एफआईआर-पुलिस ने बताया कि राशिद और साजिद गुटों के बीच पुराना विवाद है, जिसमें दोनों पक्षों के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज किए जा चुके हैं। नूंह पुलिस के प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश में तिरवाड़ा गांव में राशिद और साजिद गुटों के बीच झड़प हो गई, जिसमें राशिद के पक्ष से मीरू और हाफिज और साजिद के पक्ष से खुर्शीद, आशमीन और नूर मोहम्मद घायल हैं। इन सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस टीमें मौके पर हैं और स्थिति नियंत्रण में है। मामले की जांच चल रही है और जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी।

अगले हफ्ते जम्मू-कश्मीर जाएंगे अमित शाह, उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की करेंगे अध्यक्षता

अक्टूबर 2022 में गृह मंत्री की जम्मू-कश्मीर की पिछली यात्रा एक महत्वपूर्ण क्षण थी। इस यात्रा के दौरान उन्होंने कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की और क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने क्षेत्रीय चिंताओं को दूर करने के लिए राजनीतिक नेताओं, सुरक्षा अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ व्यापक चर्चा भी की। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से, सरकार ने अपने आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है और क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं। शाह की आगामी यात्रा को इन प्रयासों की निरंतरता के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

शाह ने हाल ही में जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनावों के दौरान भी जम्मू का दौरा किया था। सितंबर 2024 में, उन्होंने क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान की शुरूआत की। अपने दौरे के दौरान, शाह ने पार्टी कार्यकताओं और सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया, केंद्र शासित प्रदेश में विकास और सुरक्षा के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने विपक्षी दलों, खासकर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस की आलोचना की और उन पर राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। शाह ने फिर दोहराया कि केंद्र सरकार चुनाव के बाद उचित समय पर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करेगी।

संसद में वक्फ बिल पेश करने की प्रक्रिया शुरू हर सवाल का जवाब देंगेःकिरेन रिजिजू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि अगस्त 2024 में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया वक्फ संशोधन विधेयक संसद के वर्तमान बजट सत्र में फिर से पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम इसी सत्र में वक्फ विधेयक पेश करेंगे।' बता दें कि बजट सत्र 4 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा। शाह ने कहा कि प्रस्तावित कानून से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है। नरेंद्र मोदी सरकार संविधान के दायरे में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर रही है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। मुसलमानों के किसी भी अधिकार पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा। वे सिर्फ झूठ बोल रहे हैं।'

टेस्ला शोरूम फूंके, दुनिया भर में भड़का आक्रोश, एलन मस्क से क्यों नाराज हुए अमेरिकी

एलन मस्क की नीतियों से नाराज हैं लोग-राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अधीन अमेरिकी सरकार को अरबपति एलन मस्क द्वारा हटाए जाने के विरोध में लोगों की भीड़ अमेरिका भर में टेस्ला डीलरशिप के बाहर और यूरोप के कुछ शहरों में प्रदर्शन कर रही है। प्रदर्शनकारी टेस्ला डीलरशिप और वाहनों को लक्षित कर रहे हैं। मस्क की नव निर्मित सरकारी दक्षता विभाग या ऊड्ढ़ के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका को लेकर लोगों में नाराजगी है। एलन मस्क ने संवेदनशील डेटा तक पहुंच प्राप्त की है और सरकारी खर्च में कटौती करने के प्रयास में पूरी एजेंसियों को बंद कर दिया है।

टेस्ला के शो रूम और सेंटर पर हमला-टेस्ला शो रूम पर हमलों के बाद एक्स पर एक पोस्ट में एलन मस्क ने कहा कि यह वाकई एक विडंबना है कि जो लोग टेस्ला स्टोर्स पर गोलियां चला रहे हैं, कारें जला रहे हैं और आम तौर पर हिंसक हैं, वे मुझे नाजी कह रहे हैं, जबकि मैंने सचमुच में कोई हिंसा नहीं की है। मस्क ने एक प्रदर्शनकारी की तस्वीर पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिस पर एलन विरोधी नारे लिखे हुए थे। नारे में लिखा था, "एलन मस्क, मंगल ग्रह पर जाओ/हमें तुम्हारे स्वस्तिकर नहीं चाहिए। इस पर रिएक्ट करते हुए मस्क ने लिखा कि एलन मस्क निर्वाचित नहीं हैं/लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए।

कारों पर हमले के बाद क्या छोड़ेंगे डीओजीई-डोजे प्रमुख ने अपनी टीम के साथ मिलकर अपने प्रयासों को बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि सरकार पर बहुत ज्यादा बोझ है, बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा अपव्यय और धोखाधड़ी की वजह से खर्च हो जाता है। हम उस धोखा थड़ी को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हम बिना किसी सरकारी सेवा को प्रभावित किए बिना 15 प्रतिशत की कटौती कर सकते हैं। मस्क ने 130 दिनों के भीतर अपने काम को खत्म करने की बात कही है। इसका मतलब यह है कि मई के अंत तक टेस्ला सीईओ डोजे प्रमुख की भूमिका में अपने काम को खत्म कर सकते हैं। उसके बाद डोजे का भविष्य क्या होगा इसके ऊपर सवालिया निशान लगा हुआ है।

हाफिज सईद...शॉर्प-शूटर आया, गोली चलाई और हो गया नौ 2 ग्यारह, ईद पर पाकिस्तान में एक और आतंकी ढेर

पाकिस्तान के कराची में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक शीर्ष फाइनेंसर और आतंकवादी हाफि ज सईद के एक करीबी सहयोगी की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान अब्दुल रहमान के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमला तब हुआ जब दो हमलावर बाइक पर आए और दुकान में खड़े रहमान पर गोलियां चला दीं। यह खौफनाक हरकत वीडियो में कैद हो गई, जिसमें हमलावरों को दिनदहाड़े घटनास्थल से भागने से पहले रहमान को गोली मारते हुए दिखाया गया। घटना के दृश्य सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रहमान लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रमुख वित्तपोषक था। उसकी मुख्य जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के लिए वित्तीय सहायता जुटाना था, जिसे पाकिस्तान और भारत में विभिन्न हमलों में शामिल होने के कारण कई देशों द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। कराची में रहमान का कथित तौर पर काफी प्रभाव था, वह लश्कर के धन उगाहने के कामों में केंद्रीय व्यक्ति के रूप में काम करता था। अलग-अलग इलाकों से धन इकट्ठा करने वाले लोग अपनी एकत्रित की गई रकम उसके पास लाते थे, जिसे वह समूह के उच्च अधिकारियों तक पहुंचाता था। रिपोर्ट के अनुसार, उसके गहरे संपर्क और धन प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका ने उसे लश्कर के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति बना दिया था।

यह घटना 16 मार्च को पाकिस्तान में एक अन्य आतंकवादी और हाफि ज सईद के करीबी सहयोगी के मारे जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। मृतक की पहचान अबू कताल के रूप में हुई है। कताल, जिसे कताल सिंधी के नाम से भी जाना जाता है, 2017 के रियासी बम विस्फोट और 2023 में जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हुए हमले सहित कई हाई-प्रोफाइल हमलों में शामिल था। कताल की हत्या पाकिस्तान में हुई, जहाँ उसे उसके वाहन में यात्रा करते समय दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। उसकी मौत ने भारतीय एजेंसियों द्वारा लंबे समय से की जा रही तलाश को भी समाप्त कर दिया, जो वर्षों से उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थीं। क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में उसकी सक्रिय भागीदारी के कारण कताल भारत की मोस्ट वांटेड सूची में था।

वक्फ बिल संविधान पर सीधा हमला

पूर्व केंद्रीय मंत्री ईद के अवसर पर ऐतिहासिक गांधी मैदान में स्थानीय निवासियों के साथ नमाज अदा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्हें इस तथ्य से अवगत कराया गया कि अरशद मदनी जैसे इस्लामी नेताओं द्वारा जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष की ओर से आयोजित इफ्तार के बहिष्कार की घोषणा से अप्रभावित नीतीश कुमार भी ईद की बधाई देने के लिए गांधी मैदान में उपस्थित हैं।

एआई से कॉपीराइट पर खतरे की बात?

चौंकाने वाली बात यह है कि यूजर्स के निदेशों और उसके आधार पर तस्वीरों को घिबली स्टाइल में तैयार करने की चैटजीपीटी की क्षमता ने इसे बाकी चैटबॉट से अलग खड़ा कर दिया। जहां मेटा एआई और एक्स का ग्रोक अभी भी घिबली स्टाइल तस्वीरों में मियाजाकी की तस्वीरों जैसी डिटेल्स नहीं ला पाए हैं, वहीं चैटजीपीटी का यह स्पेशल फीचर देखते ही देखते वायरल हो रहा है।

घिबली आर्ट लोगों को किस कदर पसंद आई हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोशल मीडिया में बॉलीवुड फिल्मों से लेकर सेलिब्रिटीज, लोगों की अपनी प्रोफाइल पिक्चर्स, निजी यादों की तस्वीरों से लेकर खेल के दृश्यों तक सब कुछ घिबली के अंदाज में बदल चुका है। 2024 के पेरिस ओलंपिक से लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क तक, सबसे घिबली स्वरूप दुनिया में आ चुके हैं।

घिबली बनाने के लिए चैटजीपीटी पर अभी भी होड़ मची है। कुछ यूजर्स ने पहले एक्स ( ) पर पोस्ट कर बताया था कि घिबली वर्जन इमेज चैटजीपीटी के प्रीमियम वर्जन में बनाया जा सकता है। हालांकि, बाद में कई यूजर्स ने पाया कि यह फ्री वर्जन में काम कर रहा है। इसके बाद चैटजीपीटी यूजर्स के बीच तस्वीरों को घिबली में बदलने की होड़ लग गई। इसी बीच सैम अल्टमैन ने पर ट्वीट कर बताया कि उनके जीपीयू 'पिघल' रहे हैं। दरअसल, चैटजीपीटी जैसे चैटबॉट कमांड से तस्वीरों को क्रिएट करने के लिए ग्राफिकल प्रोसेसिंग यूनिट, यानी ॠढव का इस्तेमाल करते हैं। ट्रेंड के बढ़ने से इनकZY GPU में दबाव बढ़ता है और ये ओवरहीट होने लगते हैं, जिससे प्रोसेसिंग धीमी हो जाती है। ऐसे में ॠढव को नुकसान से बचाने के लिए कुछ प्रोसेसिंग को रोकना या सीमित करना पड़ता है।

सैम अल्टमैन ने पोस्टा किया- "यह देखना बहुत मजेदार है कि लोग चैटजीपीटी की बनाई तस्वीरों को पसंद कर रहे हैं। लेकिन हमारे जीपीयू पिघल रहे हैं। हम इसे और अधिक कुशल बनाने पर काम करते हुए अस्थायी रूप से कुछ दर सीमाएं लागू करने जा रहे हैं। उम्मीद है कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा! चैटजीपीटी फ्री टियर को जल्द ही प्रतिदिन 3 जनरेशन मिलेंगी।"

हालांकि, उनके इस पोस्ट पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो, क्योंकि शनिवार-रविवार को चैटजीपीटी पर घिबली बनाने वालों की इतनी संख्या जुड़ी कि प्लेटफॉर्म क्रैश कर गया। इसके बाद ऑल्टमैन ने पोस्ट कर कहा कि क्या आप सब प्लीज इमेज जनरेट करना थोड़ा कम कर सकते हैं? हमारी टीम को नींद चाहिए!

कैसे बना सकते हैं घिबली इमेज?

चैटजीपीटी अपने लेटेस्ट मॉडल GPT-4o का इस्तेमाल कर रहा है। घिबली इमेज जनरेशन इसी मॉडल से संभव हो पाया है। इसका सबसे रोचक पहलू यह है कि यह Studio Ghib.' की प्रसिद्ध कार्टून शैली को बखूबी दोहरा सकता है। आप भी आसानी के घिबली इमेज जनरेट कर सकते हैं...

घिबली वायरल हुई तो इसके कॉपीराइट से जुड़ा मसला क्या है?

जैसे-जैसे घिबली तस्वीरें दुनिया में वायरल हुई हैं। वैसे ही इसे लेकर विवाद की भी शुरूआत हुई है। सबसे बड़ा विवाद है एआई की पहुंच को लेकर। दरअसल, सोशल मीडिया पर विवाद है कि कैसे एआई कलाकारों के रचनात्मक कार्यों को कुछ ही क्षणों में कॉपी कर लेता है। वह भी इसके लिए उन्हें जरूरी श्रेय और आर्थिक मुआवजा दिए बिना।

चैटजीपीटी पर घिबली आर्ट बनाने को लेकर कॉपीराइट का विवाद इन्हीं चचाओं के बाद शुरू हुआ है। खुद चैटजीपीटी ने भी प्रीमियम सेवा का इस्तेमाल न करने वाले कई यूजर्स को यह संदेश दिया कि वह कॉपीराइट के अंतर्गत आने वाले एनिमेशन स्टूडियो की तरह की तस्वीरें नहीं बना सकता, क्योंकि उसकी आर्ट स्टाइल सुरक्षा मानकों में आती है। इसके बावजूद कुछ ही घंटों बाद चैटजीपीटी पर लोगों ने फिर से घिबली तस्वीरें बनाना जारी रखा।

बरेली में आज आएंगे सीएम योगी, रहेगा रूट डायवर्जन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज एक अप्रैल को बरेली आगमन लेकर ट्रैफिक पुलिस ने शहर में सुबह छह बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक रूट डायवर्जन लागू किया है। एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां ने बताया कि रूट डायवर्जन के दौरान शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लोग वैकल्पिक मार्गों से अपने गंतव्य तक जाएं

-परसाखेड़ा रोड नंबर-1, विलबा पुल, लालपुर कट, विलयधाम, नवदिया झादा, ट्रांसपोर्ट नगर, इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी, रामगंगा तिराहे और बुखारा मोड़ से कोई भी भारी वाहन शहर की तरफ प्रवेश नहीं करेगा। अलग-अलग प्वाइंट पर सीबीगंज, इज्जतनगर, बिथरी चैनपुर, कैंट, सुभाषनगर पुलिस तैनात रहेगी।

दिल्ली और रामपुर से बदायूं की तरफ जाने वाले भारी वाहन और रोडवेज बसें झुमका तिराहे से बड़ा बाईपास, नवदिया झादा, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा, भमोरा होते हुए जा सकेगें।

नैनीताल की तरफ से आकर बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहन और रोडवेज बसें भी इसी मार्ग से जा सकेंगे।

पीलाभीत से बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहन पीलीभीत से जहानाबाद कट, जहानाबाद, सितारगंज, किच्छा बहेडी, विलबा पुल से बड़ा बाईपास होते हुए फरीदपुर होकर दातागंज रोड से जा और आ सकेगें।

पीलीभीत से आने वाले वाहन जहानाबाद, सितारगंज, किच्छा, बहेड़ी, बिलवा पुल, नैनीताल रोड से आ और जा सकेंगे।

दिल्ली और रामपुर से लखनऊ की ओर जाने वाले भारी वाहन और रोडवेज बसें बड़ा बाईपास से झुमका, बिलवा, विलयधाम, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी होकर जा सकेगें।

लखनऊ की तरफ से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन फरीदपुर, इन्वर्टिस तिराहा होते हुए बड़ा बाईपास से जा सकेगें।

बदायूं से बरेली आने वाले भारी वाहन और रोडवेज बसें भमोरा, देवचरा चौराहा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी से इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगें, जिनको दिल्ली जाना है वह बड़ा बाईपास से जाएंगे।

बदायूं और लखनऊ की तरफ से आने वाली रोडवेज बसें इन्वर्टिस से सेटेलाइट बस अड्डे तक आ सकेगीं।

हां नहीं जा सकेंगे ई-रिक्शा और ऑटो शहामतगंज चौराहा, ईंट पजाया, बियावानी कोठी, बिजलीघर तिराहा, अक्षर विहार तिराहा, सर्किट हाउस चौराहा, चौकी चौराहा, कचहरी तिराहा, चौपुला चौराहा, सिटी सब्जी मंडी, पटेल चौक, कोहाड़ापीर, कोतवाली गेट, नावल्टी, सिकलापुर चौराहा से कोई भी ऑटो ई-रिक्शा, मैक्स, ठेला आदि कार्यक्रम स्थल बरेली कॉलेज की ओर नहीं जा सकेगा।

श्री हरिनाम भजन संध्या समिति ने किया 9 वें वार्षिक उत्सव का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

बागपत। बड़ौत नगर के कोताना रोड़ स्थित पंचमुखी मन्दिर में श्री हरिनाम भजन संध्या समिति द्वारा 9 वें वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

भजन संध्या का शुभारम्भ बड़ौत नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पति अश्विनी तोमर द्वारा फीता काटकर व बड़ौत नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष अमित राणा द्वारा किया गया।

आयोजनकत्ताओं द्वारा भजन संध्या में आये अतिथियों का तिलक लगाकर, माला व पटका पहनाकर व भगवानों के चित्र भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। भजन संध्या में गायक सचिन गुप्ता समेत अनेकों

गायकों ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रद्धालुगण भजनों पर जमकर झूमे-नाचे-गाये।

इस अवसर पर श्री हरिनाम भजन संध्या समिति के संरक्षक रमेश चन्द वशिष्ठ, संस्थापक सचिन कुमार गुप्ता, अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, सत्यवीर शर्मा, महामंत्री योगेश लखेरा, प्रवीण, आशीष वर्मा मेम्बर, मेम्बर कुलदीप, सचिन कुमार गुप्ता एलआईसी, संजीव गांधी, सुरेन्द्र प्रजापत सहित सैंकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

ईदगाह समेत शहर भर की मस्जिदों में अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज

एनपीटी ब्यूरो

बरेली । देश भर में ईद-उल-फितर का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बच्चों और बड़ों ने नए-नए कपड़े पहनकर मस्जिदों और ईदगाह का रुख किया। रमजान के पूरे महीने इबादत कर ईद की खुशियां मनाई। ईद की नमाज अदा कर एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों में इमामों ने मिल्लत की खुशहाली के साथ मुल्क-ए-हिंदुस्तान की तरक्की और फिलिस्तीन के मुसलमानो के लिए खुसूसी दुआ की। शहर में मुख्य नमाज बाकरगंज स्थित ईदगाह में साढ़े दस (10.30) बजे ग्रैंड मुफ़्ती असजद रजा कादरी(असजद मिया) ने अदा करायी। नमाज के बाद खुत्बा पढ़ा उसके बाद खुसूसी दुआ की। सभी से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी इस मौके पर जमात रजा मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान (फरमान मियाँ) ने भी सबको गले मिलकर मुबारकबाद दी। यहाँ की व्यवस्था ईदगाह कमेटी के खलील अहमद,महताब मियां,अशरफ अली,इरशाद अहमद,साहिल रजा कादरी आदि ने संभाली। लोगो ने नमाज अदा कर कब्रिस्तान जाकर अपने पुरखों के लिए फातिहा पढ़कर ईसाले सवाब किया। इसके बाद दावतों का दौर चला। बड़ो ने बच्चों को ईदी दी। सबसे पहले बाजार सन्दल खान स्थित दरगाह वली मियां में नमाज अदा की गई। इसके बाद दरगाह ताजुशशरिया,दरगाह शाह शराफत मिया,दरगाह बशीर मियां,खानकाह-ए-वामिकिया, खानकाह-ए-नियाजिया,दरगाह शाहदाना वली,दरगाह रफीक-उल-औलिया, जामा मस्जिद,दरगाह नासिर मियां(नौमहला मस्जिद), मस्जिद बीबी जी, पीराशाह मस्जिद,हबिबिया मस्जिद, नूरानी मस्जिद, कचहरी वाली मस्जिद,मसीत उल्लाह हरी मस्जिद,मुफ्ती आजम हिंद मस्जिद आदि में अपने तय शुदा वक्तों पर नमाज अदा की गयी। दरगाह के नासिर कुरैशी ने बताया कि सबसे आखिर में सुबह 11 बजे दरगाह आला हजरत की रजा मस्जिद में मुफ्ती जहीम रजा ने नमाज अदा करा कर खुत्बा पढ़ा। इसके बाद अल्लामा तौसीफ मियां ने खुसूसी दुआ की।

यहाँ दरगाह प्रमुख हजरत सुब्हानी मिया, सज्जादानशीन मुफ़्ती अहसन मियां, हजरत मन्नानी मियां,मौलाना तौकीर रजा खा, मुफ़्ती सलीम नूरी समेत आला हजरत के परिवार ने नमाज अदा की।

कब्जेदारों ने पहले सरकारी भूमि पर जमाया डेरा, अब कर रहे कारोबार

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। पीलीभीत बाईपास रोड किनारे सरकारी भूमि पर कब्जे हो गए। रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के निकट मजार के पास से डोहरा चौराहे तक गड्ढों को मिट्टी और रोड़ा डालकर पाटने के बाद झोपड़ियां डाल लीं। अब रेता-बजरी के साथ ईंटों व गिट्टियों का कारोबार किया जा रहा है। उन्हें जमीन के किरायेर न ही जीएसटी की चिंता है।

रुहेलखंड यूनिवर्सिटी की दीवार से सटकर इतना कुछ चल रहा है, लेकिन किसी अधिकारी को चिंता नहीं। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर कई दिनों से अफसरों की गाड़ियां इस रोड से गुजर रही हैं, लेकिन कब्जे कर डाली गईं झोपड़ियों पर किसी की नजर नहीं जा रही। अवैध कारोबार करने वालों पर कार्रवाई के लिए लोक निर्माण विभाग आगे आ रहा है न ही नगर निगम। जबकि यह भूमि लोक निर्माण विभाग के अधीन है। कुछ दिन पहले नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने डोहरा चौराहे से पहले भूमि पर अवैध रूप से बनी झोपड़ियां ढहाई थीं।

विद्या देवी पब्लिक स्कूल बसी में हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

बागपत। विद्या देवी पब्लिक स्कूल बसी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जो आठ मार्च में था, उस उपलक्ष्य में विद्यालय में वार्षिक प्रोग्राम किया गया। इस मौके पर स्कूल के प्रबंधक एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी सतीश कौशिक ने बताया कि गांव बसी की सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशाओं व डॉक्टर सोनू राठी का ट्रॉफी देकर सम्मान किया गया। तीनों पूर्व महिला प्रधान शिमला नैन, कमलेश देवी व मुकेश देवी को भी ट्रॉफी देकर उनका मान सम्मान किया गया। इसके अलावा गांव की महिला क्रिकेट टीम जिन्होंने अभी बागपत कबड्डी लीग में प्रथम स्थान लाकर बसी गांव का मान बढ़ाया है, उन सभी को मेडल देकर मान सम्मान किया गया। विद्यालय में कक्षा में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान पाने वालों को ट्रॉफी देकर तथा सांस्कृतिक प्रोग्राम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को डायरी व आशीर्वाद देकर उन्हें भविष्य में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए उत्साहित किया गया।

हिंडन हवाई अड्डे से जुड़ा 12वां शहर, भुवनेश्वर की उड़ान शुरू

गाजियाबाद। हिंडन हवाई अड्डे से रविवार को भुवनेश्वर के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू हो गई। फ्लाइट चेन्नई से 123 यात्रियों को लेकर हिंडन पहुंची और यहां से 134 यात्रियों को लेकर सुबह 9:20 बजे भुवनेश्वर के लिए रवाना हो गई। दोपहर 2:20 बजे भुवनेश्वर से वापसी की फ्लाइट आई और हिंडन से 155 यात्रियों को लेकर चेन्नई के लिए उड़ान भरी। इस उड़ान के बाद हिंडन हवाई अड्डे से जुड़ने वाला भुवनेश्वर 12वां शहर बन गया है। भुवनेश्वर के लिए जाने वाली पहली फ्लाइट चेन्नई से 123 यात्रियों को लेकर हिंडन हवाई अड्डे पर पहुंची थी। चेन्नई से भुवनेश्वर को जाने वाली फ्लाइट का हिंडन हवाई अड्डा कनेक्टिंग बिंदु है। रविवार को शुरू हुई इस हवाई यात्रा से लोगों में उत्साह नजर आया। भुवनेश्वर से लौटे उत्तराखंड के रहने वाले संदीप कंवर ने बताया कि दिल्ली से फ्लाइट पकड़ने के मुकाबले हिंडन राहत भरा रहा। कई घंटे की दौड़ और समय दोनों की बचत हुई है। हिमांशु कुमार ने बताया कि सीधी हवाई सेवा से अब काफी राहत है। चेन्नई और गाजियाबाद के लिए कम समय में कनेक्टिविटी से कारोबारी हों या नौकरी पेशा सभी को आराम रहेगा। हवाई अड्डे के निदेशक उमेश यादव ने बताया कि पहले दिन 80 फीसदी सीटें फुल रहीं। समय से विमान ने यात्रा शुरू की और समय से पहले भुवनेश्वर का विमान यहां पहुंच गया था। फरवरी तक हिंडन से पांच शहरों के लिए ही उड़ान थी। मार्च में सात और जुड़ गए। अप्रैल में चार और जुड़ने की संभावना है। इसके लिए एयरपोर्ट प्रबंधन की विमानन कंपनियों से बात चल रही है। ये शहर हैं लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और मुरादाबाद।

पेट्रोल पंप के पास दुकानों में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में झुमका तिराहे पर पेट्रोल पंप के पास सोमवार को तीन दुकानों में किसी तरह भीषण आग लग गई। दुकानों से ऊंची ऊंची लपटें उठता देख लोगों में खलबली मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग बराबर में पेट्रोल पंप तक नहीं पहुंची, वरना बड़ी घटना घटित हो सकती थी।

झुमका तिराह पर रामद्वार गेट के पास पेट्रोल पंप के बराबर में परसाखेड़ा गांव निवासी हबीब खां की परचून व इलेक्ट्रॉनिक्स की दो अलग दुकानें है। वहीं बराबर में तहसील खान की किराना की दुकान है। दोपहर में करीब बारह बजे सबसे पहले हबीब खां की परचून की दुकान में किसी तरह आग लग गई। आग ने कुछ ही पलों में इलेक्ट्रॉनिक्स व किराना की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। तीनों दुकानों में आग विकराल हो गई।

आग लगने की सूचना से पुलिस-प्रशासन में खलबली मच गई, क्योंकि वहीं पास में ही बने रामद्वार गेट का मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उद्घाटन होना है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर सीबीगंज सुरेश चंद्र गौतम पुलिस बल के मौके पर पहुंचे। दो दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाकर करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग काबू पाया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया, वरना आग कही अगर बराबर में पेट्रोल पंप तक पहुंच जाती तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी।

राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन कार्यकारिणी का हुआ गठन

एनपीटी ब्यूरो

गाजियाबाद। ईस्ट दिल्ली पब्लिक स्कूल प्रताप विहार में राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन की एक सभा कार्यकारिणी गठन हेतु आयोजित की गई क उक्त सभा में उपस्थित सदस्यों ने सुझाव दिया की कार्यकारिणी के गठन का दायित्व संरक्षक मंडल को दिया जाए। संरक्षक मंडल में शिक्षा क्षेत्र की अति सम्मानित प्रतिनिधि मृगांका सिंह, वी एम त्यागी, अजय गुप्ता, अखिलेश चंद द्विवेदी, पी एस राणा व जेपी शर्मा को कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया का दायित्व दिया गया । पूरी कार्यकारिणी पर विस्तार से चर्चा हुई। चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि जो विद्यालय संचालक व प्रधानाचार्य पिछले कई वर्षों से इस कार्य को बड़े ही प्रभावी तरीके से कर रहे हैं, उनको दायित्व देने में प्राथमिकता दी जाए। वर्तमान में कार्यकारिणी के संरक्षक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष, महासचिव, सचिव, संगठन सचिव, प्रचार सचिव आदि पदों पर नियुक्तियां की गई। इस अवसर पायलट राकेश त्यागी, पुनीत लोधी, सुनील त्यागी, योगेंद्र सिंह, सुबोध त्यागी, सागर यादव, अजय गुप्ता, जेपी शर्मा, अमिताभ शुक्ल, ललित त्यागी, योगराज नगर, सुमित त्यागी, दुष्यंत त्यागी, मुक्ता शर्मा, राजीव त्यागी, सुबोध त्यागी आदि उपस्थित रहे। कार्यकारिणी गठन प्रक्रिया को पूर्ण करने का दायित्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पायलट राकेश त्यागी को सर्वसम्मति से सोपा गया। पायलट राकेश त्यागी ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि भविष्य में संगठन गत वर्षो की तरह ही बड़े ही प्रभावी तरह से कार्य करता रहेगा।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणा की

बरेली में आयोजित सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बरेली, उत्तर प्रदेश में आयोजित ह्यसम्मान एवं अभिनंदन समारोहह्न में भाग लिया, जहाँ उन्होंने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने की घोङ्गल्लषणा की। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने इंन्वर्टिस विश्वविद्यालय में छात्रों और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने से

राज्य में न्याय, समानता और भाईचारे को बढ़ावा मिलेगा।

पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को एक समान अधिकार देना है, जिससे समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता का माहौल बने। इस कदम से न केवल उत्तराखंड, बल्कि पूरे देश में एकता और अखंडता को बल मिलेगा।

उन्होंने इस पहल को ऐतिहासिक और समावेशी बताया, जो सभी धर्मों, जातियों और समुदायों को समान दर्जा देने में मदद करेगी।

समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, और मुख्यमंत्री की पहल को लेकर उत्साह देखा गया।

डॉ. अभिनव धनकड़: बड़ौत के मिथन नर्सिंग होम में उन्नत आर्थोपेडिक सेवाएं

सुरेंद्र मलानिया

बड़ौत/बागपत- उत्तर प्रदेश झ चिकित्सा जगत में अपनी विशेषज्ञता और समर्पण के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. अभिनव धनकड़ अब बड़ौत के मिथन नर्सिंग होम में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। एमबीबीएस और एमएस (ऑर्थोपेडिक्स) की डिग्री किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (ङक्त्रष्व), लखनऊ से प्राप्त करने के बाद, उन्होंने आधुनिक आर्थोपेडिक सुविधाओं को बड़ौत में लाने का बीड़ा उठाया है।

मिथन नर्सिंग होम: बड़ौत में उन्नत चिकित्सा केंद्र-मिथन नर्सिंग होम, जो छपरौली चुंगी, दिल्ली-सहारनपुर रोड, बड़ौत के निकट स्थित है, अब आर्थोपेडिक समस्याओं के लिए एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र बन चुका है। यहाँ पर हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी बीमारियों, फ्रैक्चर, जोड़ प्रत्यारोपण, स्पोर्ट्स इंजरी, ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी समस्याओं का उन्नत इलाज किया जा रहा है।

डॉ. अभिनव धनकड़ की विशेषज्ञता-फ्रैक्चर और जोड़ प्रत्यारोपण झ आधुनिक तकनीकों के साथ हड्डियों की चोटों और जोड़ों की समस्याओं का समाधान।

स्पोर्ट्स इंजरी ट्रीटमेंट झ खिलाड़ियों और युवाओं के लिए विशेष उपचार सेवाएं।

बुजुर्गों के लिए ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया का इलाज झ दर्द रहित जीवन के लिए उन्नत चिकित्सा।

बच्चों में जन्मजात हड्डी संबंधी समस्याओं का उपचार।

एक्स-रे, फिजियोथेरेपी और प्लास्टरिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध।

मरीजों को मिल रहा लाभ- अब बड़ौत और आसपास के लोगों को आर्थोपेडिक समस्याओं के इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं भागना पड़ रहा है। मिथन नर्सिंग होम में आधुनिक उपकरणों और डॉ. धनकड़ की विशेषज्ञता के चलते मरीजों को बेहतरीन इलाज और संतोषजनक परिणाम मिल रहे हैं।

समाज सेवा और निःशुल्क चिकित्सा शिविर

डॉ. धनकड़ न केवल मरीजों का इलाज कर रहे हैं, बल्कि समय-समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर जरूरतमंदों को भी चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, हड्डी और जोड़ों की बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं।

मिथन नर्सिंग होम पर क्यों जाएँ?

- अनुभवी और विशेषज्ञ डॉक्टर
- आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ
- किफायती और प्रभावी इलाज
- हर उम्र के मरीजों के लिए विशेष उपचार

बड़ौत के लोगों के लिए यह गर्व की बात है कि अब मिथन नर्सिंग होम में डॉ. अभिनव धनकड़ जैसी योग्य और अनुभवी आर्थोपेडिक विशेषज्ञ की सेवाएँ उपलब्ध हैं। उनके इस प्रयास से क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और मरीजों को घर के पास ही विश्वस्तरीय इलाज मिल रहा है।

संपादकीय

कोर्ट बोला, पेड़ों से निर्ममता स्वीकार्य नहीं

देश में लगातार जारी पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ सख्त रवैया अख्तियार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा है कि एक पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर है। कोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को नये पौधे लगाने की अनुमति तो दी, लेकिन काटे गए 454 पेड़ों के बदले प्रति पेड़ एक लाख रुपये के हिसाब से लगाया जुमार्ना कम करने से इनकार कर दिया। ऐसा कोर्ट ने अभियुक्त के गलती स्वीकारने और माफी मांगने के बावजूद किया। इसके जरिये कोर्ट ने साफ संदेश दिया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को कोई रियायत नहीं दी जाएगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि ताजमहल व अन्य पुरातात्विक इमारतों के संरक्षण के लिये बनाये गए ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में 454 पेड़ कटवा दिए गए थे। दरअसल, कोर्ट ने इस मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सहयोग कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एडीएन राव के इस सुझाव पर सहमति जतायी कि कोई कानून और पेड़ों को हल्के में न ले। वहीं जुमार्ना लगाने के बाबत भी कोर्ट ने मानक तय किया कि इसमें किसी तरह रियायत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी चिंता जतायी कि जो पेड़ काटे गए हैं, उसकी जगह नये पेड़ लगाने के बावजूद इसकी क्षतिपूर्ति में सौ साल लग जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील संरक्षित ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में अदालत ने पेड़ काटने पर वर्ष 2015 से ही प्रतिबंध लगा रखा था। इसके बावजूद अदालत की अनुमति के बिना सैकड़ों पेड़ काट डाले गए। जिसके बाद न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति यानी सीईसी की वह रिपोर्ट स्वीकार कर ली कि बीते वर्ष 454 पेड़ काटने वाले व्यक्ति पर प्रति पेड़ के हिसाब से एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जाए। कोर्ट ने अभियुक्त की तरफ से पेश वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की वह दलील ठुकरा दी कि अभियुक्त ने गलती मानते हुए माफी मांग ली है, तो उसे जुमार्ना कम करके राहत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने पास के किसी स्थान पर पौधरोपण करने की अनुमति जरूर प्रदान कर दी है। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के चलते तापमान में निरंतर वृद्धि जारी है, वृक्षों का होना प्राणवायु का जरिया ही है। जो हमें शहरों के कंक्रीट के जंगल से उत्पन्न खतरों से बचाते हैं। खासकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों में उनकी दोहरी भूमिका है। ऐसे में नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि कैसे किसी व्यक्ति को संवेदनशील इलाके में पेड़ काटने की अनुमति दी गई। निरंतर बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता शासन-प्रशासन के साथ समाज में भी होनी चाहिए। उत्तराखंड में चिपको आंदोलन और राजस्थान में खेजड़ी वृक्षों को बचाने के लिये लोगों के त्याग व संघर्ष को हमें याद रखना चाहिए। जनता का कड़ा प्रतिरोध भी वृक्षों की रक्षा करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

अभिव्यक्ति को लेकर खिसकती डर की लक्ष्मण

ऐसे में जब सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ जामनगर पुलिस द्वारा एक उर्दू नज्म को लेकर दर्ज की गई एफआईआर को रद्द कर दिया हैझजिसे गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया था झ और कुणाल कामरा ने भी अपने सोशल मीडिया शो में की टिप्पणी के लिए माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया है, तो गत सप्ताह का बड़ा प्रश्न यह रहा कि ह्यइंडियाह्ण जो भारत है, उसके भीतर डर की लक्ष्मण रेखा कितने गहरे तक पैठ कर चुकी है? हम में से हर कोई अपनी-अपनी लक्ष्मण रेखाएं तय करता है, और परिस्थिति के मुताबिक उनको सरकाते भी रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय ओका और उज्जल भुयान ने हालांकि अपना रुख सरल रखा।

दो मामलों में क्रमश : सुप्रीम कोर्ट व मद्रास हाईकोर्ट के हालिया फैसले सराहनीय कहे जाएंगे जिनमें सार्वजनिक तौर पर कविता व हास्य-व्यंग्य के जरिये अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार की रक्षा हुई। बता दें कि कुणाल कामरा ने अपनी सियासी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगी थी। शायद उन्होंने गत सप्ताह यह याद दिलाकर हम सब पर उपकार किया कि व्यंग्य के समक्ष सब समान हैं। ये मामले डर की लक्ष्मण रेखा नये सिरे से तय करते हैं।

ऐसे में जब सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ जामनगर पुलिस द्वारा एक उर्दू नज्म को लेकर दर्ज की गई एफआईआर को रद्द कर दिया हैझजिसे गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया था झ और कुणाल कामरा ने भी अपने सोशल मीडिया शो में की टिप्पणी के लिए माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया है, तो गत सप्ताह का बड़ा प्रश्न यह रहा कि इंडिया जो भारत है, उसके भीतर डर की लक्ष्मण रेखा कितने गहरे तक पैठ कर चुकी है?

हम में से हर कोई अपनी-अपनी लक्ष्मण रेखाएं तय करता है, और परिस्थिति के मुताबिक उनको सरकाते भी रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय ओका और उज्जल भुयान ने हालांकि अपना रुख सरल रखा। उन्होंने प्रतापगढ़ी मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा : ङ्खहम अपने गणतंत्र के 75वें साल में हैं, हम वह नहीं हो सकते कि हमारे मूल सिद्धांत महज एक कविता या किसी प्रकार की कला अथवा मनोरंजन, मसलन, स्टैंड-अप कॉमेडी करने पर डांवांडोल हो जाएं और प्रस्तोता पर विभिन्न समुदायों के बीच कथित दुश्मनी या नफरत पैदा करने का आरोप मढ़ने लग जाएं। इस किस्म का दृष्टिकोण अपनाना सार्वजनिक दायरे में तमाम वैध विचारों की अभिव्यक्ति को कुचलना होगा, जबकि एक स्वतंत्र समाज के लिए इनका वजूद मूलतः बहुत जरूरी है।

बीते शुक्रवार को ही, दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्वीडन के नागरिक, प्रसिद्ध

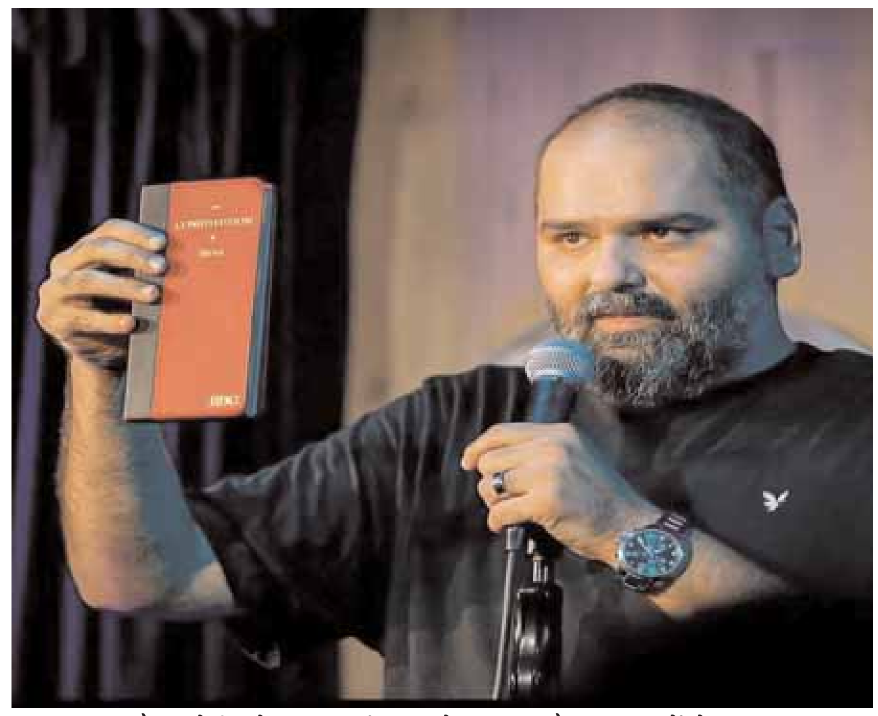

शिक्षाविद और मोदी के आलोचक अशोक स्वैन का ओसीआई कार्ड रद्द करने के केंद्र के आदेश को भी खारिज कर दिया झ वे अपनी बीमार मां से मिलने के लिए भारत आना चाहते हैं, पर नहीं आ पा रहे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आगे क्या होगा क्योंकि अदालत ने केंद्र को स्वैन को एक नया कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुमति दे दी है। पिछले शुक्रवार को दिन खत्म होते-होते, मद्रास उच्च न्यायालय ने भी उस सुबह कामरा द्वारा मांगी गई अग्रिम जमानत को मंजूरी देकर अपना अभयदान दे दिया। जमानत की यह अर्जी मुंबई में उस एफआईआर की आशंका के मद्देनजर थी, जिसके लिए कहा जा रहा है कि कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम सीधे तौर पर लिए बिना गद्दार या देशद्रोही शब्दों का इस्तेमाल कर कसा तंज उन्हीं पर था।

ऐसा नहीं है कि कामरा ने अपनी धृष्टता के लिए माफी मांग जान छुड़ा ली। रणवीर अलाहबादिया और समय रैना के बरक्स, जिनके मां-बाप को लेकर छिछोरे चुटकुलों ने फिर भी देशवासियों के मुंह में क्या यार वाला कसैला स्वाद पैदा कर दिया था, कामरा ने कहा, मुझे इस भीड़ से डर नहीं लगता और मैं चारपाई के नीचे छिपकर इस भीड़ के छिटकने का इंतजार नहीं करूंगा।

तो, बीते सप्ताह के अंत में बड़ा सवाल यह था : क्या भय है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपना दमघोंटू दायरा तोड़कर बाहर निकल आएगी? क्या गणतंत्र के दिल में कुछ-कुछ परिवर्तन आने लगा है, जिसका चिन्ह है कि प्रतापगढ़ी और कामरा, दोनों एक समान संविधान की लाल-काली प्रतियां लहरा रहे हैं, मानो राष्ट्र को याद दिलाना चाहते हों कि अनुच्छेद 19 और 21 हमें सशक्त बनाते रहे हैं, तो क्या आपको भी?

सवाल यह है कि क्या डर की लक्ष्मण रेखा फिर से सरक रही है? तथ्य यह है कि चूंकि कामरा इन दिनों तमिलनाडु में रहते हैं, इसलिए कम से कम फिलहाल तो सुरक्षित हैं। एमके स्टालिन की डीएमके सरकार उनकी रक्षा करेगी, हालांकि अदालतों के विरुद्ध वह भी नहीं जाना चाहेगी, लेकिन इस दौरान वह भाजपा को राजनीतिक चुनौती देती रहेगी।

शायद भगवंत मान का पंजाब भी कुछ ऐसी ही विचित्र स्थिति में हो सकता था। मुख्यमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत बतौर एक शानदार हास्य अभिनेता की थी। लाफ्टर चैलेंज नामक स्टैंड-अप शो से तेजी से सीखकर उनके पुष्पा वाले चुटकुले आज भी राजनीतिक किस्सों का हिस्सा हैं झ और लोकसभा के समय में जीवन के उन सबकों पर अमल किया। उनकी चतुराई कायम है और ऐन समय पर अपने तीखे शब्द बाणों से किसी को भी चित्त करने की उनकी क्षमता आज भी बरकरार है, सिवाय इसके कि कभी-कभी लगता है कि रेत उनके हाथ से फिसल रही है।

तथ्य है कि पंजाब बहुत ज्यादा कर्ज में डूबा हुआ है, सूबा नशे के संजाल में फंसा है,सूबा गेहूं -चावल चक्र वाले कृषि ढर्रे के अलावा कनाडा गए पंजाबी समुदाय की कमाई पर बहुत ज्यादा निर्भर है, और वह घट रही है, इसलिए ग्राफ इतना गिर चुका है कि देश के बाकी हिस्सों के लिए इसे गंभीरता से लेना काफी मुश्किल है। फि लहाल, तमिलनाडु, अपने संजीदा सामाजिक-आर्थिक मापदंडों के साथ सबसे आगे है, जो बाकी देश के लिए ईर्ष्या का विषय है।

कामरा प्रकरण के अंत में ओशो का यह कथन : जीवन वहीं से शुरू होता है जहां से डर खत्म होता है, सच होता लगा, कहां तो गत सप्ताह की शुरूआत में तो खूब हलचल मची लेकिन शुक्रवार की शाम होते-होते लगने लगा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बोलने की आजादी को लेकर दिए फैसले के बाद से जीवन की चाल तेजी से आगे बढ़ चली है। उधर संसद में भी खूब हंगामा हुआ,जहां पर नवीनतम नोक-झोंक 14वीं सदी के राजपूत राजा राणा सांगा की साख को लेकर हुई, जब समाजवादी पार्टी के एक सांसद ने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को देश में कथित तौर पर आमंत्रित करने के वास्ते राणा को देशद्रोही करार दिया। केवल 10 दिन पहले, महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही औरंगजेब के शासन को लेकर उबाल पर रही, वहीं नागपुर हिंसा में संपत्ति का भारी नुकसान हुआ और अनेक लोग घायल हुए क्योंकि सदियों पहले मर चुके मुगल सम्राट पर नाराजगी जाहिर करने के अपने अधिकार के मुद्दे पर लोग भिड़ गए। इन परिस्थितियों में, उन आंकड़ों की किसे परवाह कि भारत की मौजूदा शहरी बेरोजगारी दर (17 प्रतिशत), भूख एवं कुपोषण (वैश्विक भूख सूचकांक) में 127 देशों में हम 105वें स्थान पर तो मुक्त अभिव्यक्ति (विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक) में 180 देशों में से 159वें पायदान पर हैं।

जहां तक बात है कि क्या कामरा के नवीनतम प्रकरण के साथ भारत में कुछ बदलाव आएगा, स्वाभाविक है लोकमत अभी साफ नहीं है। लेकिन क्या किसी को विगत के मुनव्वर फारुकी प्रकरण की याद है, जब एक कथित चुटकुले के कारण उन्हें 1 जनवरी, 2021 को गिरफ्तार कर लिया गया था, जोकि उन्होंने सुनाया ही नहीं था, सिर्फ इतने इल्जाम पर कि समुदाय विशेष के एक समूह का कहना था कि रिहर्सल के दौरान सह कलाकार नलिन यादव को ऐसा कुछ कहते हुए सुना था; ऐसे ही कीकू शारदा वाला मामला स्मरण है, जब 2016 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख की नकल करने के लिए उनकी गिरफ्तारी हुई थी या फिर वीर दास, जिन्हें 2021 में दिल्ली की सीमाओं पर धरने पर बैठे किसानों के हक में और एक बलात्कार के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से धर लिया गया था। कदाचित कविता और हास्य का बचाव करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सराहना करनी बनती है। आखिरकार, व्यंग्य इसलिए भी भाता है क्योंकि यह शक्तिशाली और मशहूर लोगों तक का मखौल बना लेता है और यह कि वे देवता न होकर आम मिट्टी से ही बने हैं। हास्य कलाकार हमें याद दिलाते हैं कि हम सब बहुत मानवीय हैं और आगामी कल एक अन्य मौका है न कि खुद को बहुत गमगीन बना लेने का।

शायद कामरा ने गत सप्ताह यह याद दिलाकर हम सब पर उपकार किया है कि व्यंग्य के निशाने पर सब बराबर हैं। यह हमारी लक्ष्मण रेखाओं को फिर से निर्धारित करता है और हमें हमारे डर से निजात दिला रहा है। यह हमें आजाद होने की इजाजत दे रहा है।

विकास के साथ सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण जरूरी श्रेष्ठ भारत के लिए

राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये जरूरी है कि एकता के लिये सरकारी नीतियों के साथ ?समाज की सक्रिय भागीदारी हो। हम जाति, धर्म और सामाजिक दुराग्रहों से मुक्त हों। साथ ही राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने के अभियानों का कारगर ढंग से उपयोग हो।

भारत एक बड़ा प्रजातंत्र है, जिसका संविधान धर्मनिरपेक्षता की शर्त के तहत वादा करता है कि यहां सभी धर्मों का सम्मान किया जाएगा और कट्टरवाद को त्यागा जाएगा। इसका उद्देश्य यह है कि लोग विभाजित होकर एक-दूसरे में वैमनस्य न फैलाएं। गंगा-जमुना संस्कृति का आदान-प्रदान केवल स्थान विशेष तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे देश में लोगों को अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर एकता के सिद्धांत पर आधारित विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

सरकार ने भारत को एकजुट और सशक्त बनाने के लिए कई प्रयास किए हैं। सबसे पहले, जीएसटी के रूप में एक देश, एक कर की व्यवस्था लागू की गई। इसके बाद, एक देश, एक चुनाव का प्रस्ताव और एकीकृत सिविल कोड की स्थापना पर चर्चा की जा रही है। हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में अपनाने का निर्णय लिया गया था, क्योंकि देश की अधिकांश आबादी इसे समझती है। हालांकि, दक्षिण भारत विशेषकर तमिलनाडु में इस पर विरोध है, जिससे हिंदी को वह दर्जा नहीं मिल सका जो अपेक्षित था। अगर हम एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपनी भाषा हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में अपनाना चाहिए और इस रास्ते में किसी भी प्रकार के कटुता, सांप्रदायिकता या क्षेत्रीयवाद के अवरोध नहीं आने चाहिए। हमें अखंड भारत बनाने के लिए और भी बहुत से कदम उठाने होंगे।

अनुच्छेद 370 और 35-ए के उन्मूलन ने जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ा, जिससे वहां पर्यटन, तीर्थाटन और

फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू हुई। यह भारत की एकता का प्रतीक है। हाल ही में बिहार दिवस को सार्वदेशिक रूप से मनाने की घोषणा की गई है, ताकि यह केवल बिहार तक सीमित न रहे, बल्कि पूरा देश इसे मनाए। बिहार की सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें माता सीता, महात्मा बुद्ध, महावीर जैन, गुरु गोबिंद सिंह और आर्यभट्ट की जन्मभूमि की गरिमा भी शामिल हैं, को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में स्वीकार किया गया। यह क्षेत्रीयता की सीमाओं से परे जाकर भारतीय संस्कृति की एकता को बढ़ावा देने का कदम है।

सरकार ने एक देश, एक उत्सव और एक देश, एक राशन कार्ड जैसे कदम उठाए हैं, जो राष्ट्रीय एकता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं। एक राशन कार्ड से देशभर में राशन प्राप्त करने की सुविधा से एक राज्य के लोग अन्य राज्यों में भी सस्ता राशन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें रोजगार के नए अवसर मिलते हैं। इसके साथ ही, कई राज्यों में रहने वाले लोग मतदान में भाग नहीं ले पाते क्योंकि वे रोजगार की तलाश में दूर जाते हैं। एक उदाहरण के रूप में स्थिति यह है कि बिहार में रह रहे मूल लोगों के कुल वोटों का 45 प्रतिशत ही मतदान कर पाता है। इस तरह कम मतदान प्रतिशत के कारण एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण नहीं हो रहा।

वहीं एक देश, एक उत्सव के विचार से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि हर राज्य का सांस्कृतिक महोत्सव पूरे देश में मनाया जाए, जिससे देश को सांस्कृतिक दृष्टि से एक सूत्र में बांधने में मदद मिलेगी।

सत्तारूढ़ राजनेताओं का यह दावा कि एनडीए सरकार के तहत भारत एकीकृत और अखंड हुआ है, सच में कई विकासात्मक कदम उठाए गए हैं। बिहार जैसे पिछड़े राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर विकास हुआ है, जैसे नए अस्पताल, इंजीनियरिंग और पॉलीटेक्निक कॉलेजों की संख्या में वृद्धि, और एयरपोर्टों की संख्या में इजाफा। हालांकि, यह सवाल उठता है कि इस समावेशी विकास के साथ हम भारत को एकता के सूत्र में कैसे बांध सकते हैं

जाति आधारित आरक्षण, जो जनगणना से जुड़े विवादों का मुख्य मुद्दा है, आज भी देश में एक बड़ी चुनौती है। देशके कई राज्यों में जातीय संघर्ष दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसे मणिपुर में जातीय संघर्षों की स्थिति है। यह मैतेई और कुकी जाति का मसला ही नहीं बल्कि वहां छोटी-छोटी जनजातियां भी अपने लिए आरक्षण मांग रही हैं। इसके अलावा, उदार अनुकंपा की संस्कृति, जो मेहनत के बजाय मुफ्तखोरी को बढ़ावा देती है, इसको लेकर भी गंभीर चिंताएं हैं।

हम एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाने की बात तो करते हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि केवल आर्थिक और भौतिक विकास से देश की एकता नहीं बन सकती। सामाजिक असमानताएं, बेरोजगारी, और वंचित वर्गों की अनदेखी विकास की राह में बाधा डाल रही हैं।

आजादी की पौन सदी बीत चुकी है और हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यदि हम भारत को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शक्ति बनाना चाहते हैं, तो हमें उन गरीब और वंचित वर्गों को भी मुख्यधारा में लाना होगा, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है। तभी हम एक सशक्त और एकीकृत भारत का निर्माण कर पाएंगे।

पूरे प्रदेश में आज से बदल जाएगी स्कूलों की टाइमिंग इस समय से खुलेंगे बेसिक और माध्यमिक स्कूल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में मंगलवार एक अप्रैल से स्कूल अपने बदले हुए समय के साथ खुलेंगे। माध्यमिक और बेसिक दोनों स्कूलों के खुलने का समय बदला रहेगा।

एक अप्रैल से प्रदेश भर के बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के खुलने का समय बदल जाएगा। शासन के पहले से चले आ रहे नियमों के अनुसार प्राथमिक विद्यालय सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चलेंगे। माध्यमिक विद्यालयों के समय में आधे घंटे का अंतर रहेगा। माध्यमिक विद्यालय सुबह साढ़े सात बजे से लेकर दोपहर के डेढ़ बजे तक खुले रहेंगे। बीते सत्र तक पहले माध्यमिक विद्यालय सुबह के साढ़े सात से दोपहर के साढ़े 12 तक खुलते थे। बाद में इसमें समय का बदलाव करने इन्हें डेढ़ तक कर दिया गया।

पूरा हुआ कॉपियों का मूल्यांकन

19 मार्च से शुरू हुआ कॉपियों का मूल्यांकन करीब-करीब पूरा हो गया है। कुछ जिलों में कुछ विषयों की कॉपियां अपवाद स्वरूप जांची जा रही हैं। दो अप्रैल तक आधिकारिक रूप से कॉपियों को जांचने का काम पूरा हो जाएगा।

वितरित होगा परीक्षाफल-बेसिक और माध्यमिक दोनों तरह के स्कूलों में एक अप्रैल को परीक्षाफल वितरित किया जाएगा। कुछ बेसिक स्कूलों में परीक्षाफल 29 मार्च को ही बांट दिया गया था।

आज से पूरे प्रदेश में शुरू होगा स्कूल चलो अभियान, सीएम योगी बरेली में खुद रहेंगे मौजूद

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ । यूपी में एक अप्रैल से स्कूल चलो और संचारी रोग नियंत्रण का अभियान चलेगा। सीएम योगी खुद बरेली से इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में मंगलवार एक अप्रैल से नए शैक्षिक सत्र 2025-26 की शुरूआत होगी। इसके साथ ही प्रदेश भर में स्कूल चलो अभियान की भी शुरूआत होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली में इसकी व संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरूआत करेंगे।

बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार के अनुसार सीएम सुबह 11.40 बजे बरेली कॉलेज मैदान, बरेली से अभियान की शुरूआत करेंगे। इसके तुरंत बाद प्रदेश के सभी जिलों में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में इस अभियान की शुरूआत की जाए।

उन्होंने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि जिलों में भी सीएम के कार्यक्रम का लाइव किया जाए। साथ ही डायट, ब्लॉक संसाधन केंद्र व विद्यालयों में भी इसका लाइव प्रसारण करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पूर्व में जारी निर्देश के अनुसार एक अप्रैल को पहले दिन सभी स्कूलों को फूल, पत्ती आदि से सजाया जाएगा। बच्चों का स्कूल आने पर रोली, टीका लगाकर स्वागत किया जाएगा। मिड डे मील में हलुवा, खीर आदि बनाकर बच्चों को दिया जाएगा।

नए सत्र के पहले दिन की शुरूआत की तैयारी सोमवार को स्कूलों में चलती दिखी। जबकि विभाग ने अलग अलग अधिकारियों की भी इसके लिए ड्यूटी लगाई है। ताकि स्कूल चलो अभियान को सफल बनाया जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में बच्चों का नामांकन भी बढ़ाने के लिए आगे के दिनों में अभियान चलाया जाएगा।

म्यांमार के लोगों को राहत सामग्री लेकर एनडीआरएफ के 80 लोगों का दल रवाना

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

साहिबाबाद। म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई है। जिसके बाद भारत ने म्यांमार की मदद के लिए हिंडन एयरबेस से राहत सामग्री भेजी है। इसके साथ ही शनिवार दोपहर एनडीआरएफ के कमांडेंट प्रवीण कुमार तिवारी के निर्देशन में 80 जवानों का दल भी म्यांमार के लिए रवाना किया गया। यह पहल भारत सरकार की तरफ से शुरू हुए ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत की गई है। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दी गई।

म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप से भयंकर तबाही मची। भूकंप प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा चलाया है। इसके तहत राहत शुक्रवार शाम हिंडन एयरबेस से भारतीय वायुसेना के विमान सी-130जे से 15 टन से भी ज्यादा राहत सामग्री म्यांमार भेजी गई। वहीं शनिवार दोपहर करीब एक बजे नेशनल डिजास्टर रेस्क्यू फोर्स (एनडीआरएफ) आठवीं बटालियन गाजियाबाद के कमांडेंट प्रवीण कुमार तिवारी अपने 80 जवानों के दल को लेकर म्यांमार के लिए भेजे गए हैं। सहायता पैकेज की पहली खेंप में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, वॉटर प्यूरीफायर, हाइजीन किट, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, सीरिंज, दस्ताने और पट्टियां जैसी जरूरी दवाएं शामिल हैं। यह जानकारी एनडीआरएफ मुख्यालय के आधिकारिक एक्स हेंडल से शनिवार को

3,722 करोड़ से होंगे विकास कार्य, बजट पर लगी मुहर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में शहर के विकास कार्यों के लिए 3722 करोड़ रुपये के बजट पर मुहर लगी। यह बजट सभी 100 वार्डों में होने वाले विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। इससे नगर निगम के क्षेत्र में आने वाली सड़कों की मरम्मत, सीवर के कार्य, पानी, स्ट्रीट लाइट समेत अन्य कार्यों को रफ्तार मिलेगी।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 2413 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव रखा गया था, जो इस बार बढ़कर 3722 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी की बैठक के दौरान कई अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

पत्रकार किरणपाल राणा के निधन पर कार्यकारिणी के बैठक के दौरान सदस्यों और नगर निगम के कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर निगम की ओर से पेश किए गए बजट में लगभग 2754 करोड़ आय प्रस्तावित की गई है। इसमें संपत्ति कर, लाइसेंस, विक्रय, किराया, ठेका, शुल्क विविध आय शासकीय अनुदान व अन्य मदों को सम्मिलित किया गया।

वार्ड 27 के पार्षद नरेश जाटव ने कहा, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए रिश्वत मांगी जा रही है। विजयनगर जोनल कार्यालय से इसकी कई शिकायतें आई हैं। इस पर महापौर सुनीता दयाल ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जोनल कार्यालयों की औचक जांच कराई जाएगी। कोई कर्मचारी अगर प्रमाण पत्र के लिए रिश्वत मांगता या लेता पाया जाता है, तो नौकरी से बर्खास्त करने के साथ ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी

विज्ञापन से राजस्व बढ़ाने पर चर्चा- वार्ड 59 के पार्षद राजीव शर्मा ने शहर में अवैध होर्डिंग व विज्ञापनों पर लगाम लगाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि अवैध विज्ञापनों पर कार्रवाई करते हुए नए स्थानों को चिह्नित करके आय में इजाफा हो सकता है। मार्केट सर्वे के हिसाब से विज्ञापनों की दर तय की जाए। इसके लिए पार्षदों और अधिकारियों की संयुक्त कमेटी तैयार की जाए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि मास्टर प्लान के तहत सड़कों के हिसाब से पहले व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्र की दर को तय किया जाएगा। इसके बाद सामान्य भवनों की दर भी सड़क के हिसाब से तय कर वसूली की जाएगी।

कोसीकलाँ में पथराव मामले में तीन सिपाही लाइन हाजिर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। कोसीकलां में गुरुवार की देर रात्रि समुदाय विशेष के लोगों द्वारा तीन पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट एवं पथराव में टूटी दो कारों के मामले में उच्चाधिकारियों ने तीनों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। तीनों पुलिसकर्मी प्रभारी निरीक्षक के हमराह बताए जा रहे हैं। गुरुवार की रात दस बजे नगर के निकासा क्षेत्र में विवाद की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह के हमराह अंकित कुमार, निखिलेश कुमार व अभिषेक शिवाच के साथ मारपीट के साथ साथ पथराव कर उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर तीनों को घायल कर दिया था। सूचना पर पहुंचे शहर चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक संदीप सिंह एवं दीवान रिंकू के साथ भी अभद्रता करते हुए उनकी कार में भी तोड़फोड़ कर दी थी। सूचना पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस फोर्स को देख हमलावर भूमिगत हो गये। उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार की तहरीर पर 24 नामजद एवं 20 अन्य अज्ञात के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दो नामजदों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

शनिवार की देर रात्रि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मारपीट एवं पथराव में घायल हुए तीनों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया, जिसको लेकर लोग सोशल मीडिया पर कमेंट कर रहे हैं। मामले को लेकर जब क्षेत्राधिकारी छाता आशीष शर्मा से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका सीयूजी नंबर स्विच ऑफ था, वहीं थाना पुलिस ने कुछ भी कहने से मना कर दिया। शहर में पुलिस प्रशासन द्वारा जन सहयोग से करीब एक सैंकड़ा सीसी टीवी कैमरे संवेदनशील अति संवेदनशील क्षेत्रों सहित प्रमुख चौक चौराहों पर लगाये गये थे, लेकिन निकासा क्षेत्र के अधिकांश कैमरे या तो टूटे पड़े हैं या फिर गायब हैं यदि उक्त स्थान पर सीसी टीवी कैमरे गायब नहीं होते तो पूरा मामला साफ हो जाता कि तीन हमराहों के साथ चौथा कौन था।

मथुरा की जामा मस्जिद में और ईदगाह में अदा की गई नमाज

मथुरा में पहले ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की फिर एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सभी जगह सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। शहर में शाही ईदगाह मस्जिद के साथ ही जामा मस्जिद पर भी कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 8 बजे से साढ़े 8 बजे तक नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद लोग गले मिले। इस दौरान राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने भी पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की बधाई दी। सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मी और मजिस्ट्रेट भी तैनात रहे। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय नमाज के दौरान क्षेत्र में भ्रमणशील रहे। देहात क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नमाज अदा की गई। ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की गई।

भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगजनी में जली फसलों का 100 प्रतिशत मुआवजा दे योगी सरकार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे के वृंदावन कट रोड़ पर स्थित पानीगांव भूतिया के पास होटल के उद्घाटन समारोह कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह और महा मंडलेश्वर योगी हितेश्वर ने श्याम फैमली होटल का फीता काट कर शुभारंभ किया। वहीं किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह के आने की खबर राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठैनुआ और जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पहलवान व पहलवान युवा मोर्चा के भूरा पहलवान को लगी तो सैकड़ों कार्यकताओं के साथ यमुना एक्सप्रेस-वे के पानीगांव वृंदावन कट रोड़ पर स्थित होटल के शुभारंभ में भारतीय भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास पहुंचे। इस दौरान भारतीय भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने मथुरा के कई अलग-अलग क्षेत्रों में हुई आगजनी की घटनाओं से जली गैंहू की फसलों में हुए भारी नुकसान की भरपाई करने हेतु पीड़ित किसानों को 100 प्रतिशत मुआवजा देने की उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से गुहार लगाते हुए कहा कि जिन किसानों की फसल आगजनी से जली है उन्हें 100 प्रतिशत मुआवजा दिलाने की लडाई भारतीय भानु लड़ेगा। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा मुख्यमंत्री बहुत ही दयालु संत हैं इसलिए उनसे गुजारिश है कि आगजनी में जली पीड़ित किसानों की फसलों का जल्द ही 100 प्रतिशत मुआवजा दिया जाए।नहीं तो भारतीय भानु किसानों के हक की लडाई के लिए बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

यमुना तट पर सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य के साथ नवसंवत्सर का स्वागत

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। संस्कार भारती द्वारा नव संवत 2082 विक्रमी के स्वागत में यमुना तट के प्रयाग घाट पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तट पर श्रद्धालुओं ने गंगाजल से सूर्य को अर्घ्य दिया। सुविख्यात भजन गायक श्रीयुत श्रीगोपाल अग्रवाल के मधुर स्वरों में भजनों ने ऐसा समा बांधा कि घाट की सीढ़ियो पर बैठे लोग भक्ति भाव में झूमने लगे। शुभारंभ अतिथियों साध्वी सरोज बाला और भगवत विदुषी कीर्ति किशोरी द्वारा दीप जलाकर किया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के प्रो. जयंत खोत और केंद्रीय ललित कला अकादमी क्षेत्रीय सचिव डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी का संस्कार भारती के अध्यक्ष अनूप महेश्वरी और कार्यकारी अध्यक्ष रेखा महेश्वरी ने शाल और उत्तरीय पहनाकर स्वागत किया। भागवताचार्य रमाकांत गोस्वामी का मंच पर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम संयोजक सुधांशु गोयल और अमृत खंडेलवाल ने श्रीयुत श्रीगोपाल अग्रवाल का स्वागत किया। रूपेश मिश्रा, मुकेश शर्मा, सचिन शर्मा, दीपांशु गोयल, सुरेंद्र सक्सेना, चारू सिंघल आदि मौजूद थे।

नरी-सेमरी देवी मेला में चमत्कारिक आरती से पहले उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा के छाता क्षेत्र के गांव सेमरी में लगने वाले नरी-सेमरी देवी मेले का शुभारंभ रविवार को देवी मां की आरती के साथ हुआ। पहले दिन हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर में हाजिरी लगाई और देवी मां की पूजा कर मनौती मांगी। यहां आगरा वालों की तीज की चमत्कारिक आरती आज होगी। पुजारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि गांव में चैत्र नवरात्र पर 10 दिवसीय देवी मेले का आयोजन होता है। दर्शन के लिए सुबह पांच बजे से श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। पुजारी राम कुमार ने बताया कि नवरात्र की द्वितीया व तृतीय तिथि एक ही दिन होने की वजह से आज आगरा वालों की तीज की चमत्कारिक आरती शाम 7.30 बजे होगी। अपर मुख्य जिला पंचायत अधिकारी अशरफ अली ने बताया कि जिला पंचायत द्वारा आझई रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मोबाइल टॉयलेट और पीने के लिए पानी की व्यवस्था की है। उन्होंने भवन में पहुंचकर देवी मां की पूजा की। क्षेत्राधिकारी आशीष शर्मा, कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र, मेला इंचार्ज अमित चौहान, मेला ठेकेदार अशोक भार्गव, शिवाजी, महेंद्र सिंह, राजू भार्गव, कल्लन, जितेंद्र आदि मौजूद रहे। सीओ आशीष शर्मा ने बताया कि देवी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही ही। मेले में 27 उपनिरीक्षक, 2 महिला उपनिरीक्षक, 60 आरक्षी, 9 महिला आरक्षी, 1 यातायात उपनिरीक्षक, 3 यातायात पुलिसकर्मी व 10 पीएसी के जवान मेले में तैनात किए गए हैं।

कस्बे में सादगी से मनाया गया ईदुलफितर (मीठी ईद) का पर्व

सभी ने गले मिलकर एक दूसरे को दी ईद की शुभकामनाएं

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर बानपुर - कस्बे में ईदुलफितत्र (मीठीईद) का पर्व शान्तिपूर्ण तरीके से आपसी सदभाव के साथ सम्पन्न हो गया । आज सुबह 8 बजे टीकमगढ़ रोड़ पर स्थित ईदगाह में हाफिज शाहिद रजा कादरी ने ईदुफित्र की नमाज अदा कराई । इसी क्रम में बताते चलें आज सुबह से कस्बे में काफी चहल - पहल साफ तौर पर देखी जा सकती थी । मुस्लिम धर्मावलम्बियों में सुबह से ही हर कोई जल्दी से जल्दी तैयार होकर ईदगाह पहुंचना चाह रहा था । जहां पर उपस्थित

हाफिज साहब ने ईदुल फित्र के महत्व के साथ ही सदकाए फित्र व जकात के महत्व पर प्रकाश डाला । यह कि इस्लामी कैलेण्डर के शवाल महीने की एक तारीख को पूरी दुनियां में ईदुलफित्र की नमाज अदा की जाती है । जो कि पवित्र रमजान के बाद का महीना होता इसी क्रम में रमजान के महीने में मुस्लिम धर्मावलम्बियों ने रोजा रखकर , तिलावत करके, व अन्य इबादतें करके पूरा माह गुजारा व अल्लाह की इबादत की ।

इसी क्रम में अलविदा जुमा की नमाज के अवसर पर ही ईद की नमाज का वक्त तय किया गया था इसके बाद हाफिज साहब ने तय वक्त पर ईद की नमाज अदा कराई व इसके उपरान्त मुल्क में अमन चैन व बेहतरी और की दुआ माँगी । इस अवसर पर नायब तहसीलदार महरौनी, प्रभारी निरीक्षक थाना बानपुर मनोज कुमार मिश्रा, सहावेन्द्र प्रताप सिंह गहरवार, पूर्व प्रधान रक्षपाल सिंह सहित सैंकड़ों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी उपस्थित रहे ।

आर एस एस का पथसंचलन,स्वयंसेवकों ने सामाजिक परिवर्तन का लिया संकल्प

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी चैत्र प्रतिपदा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिंदू नव वर्ष मनाया।सारे नगर को आकर्षक ढंग से सजाया गया ।चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन आयोजित किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर नाराहट रोड से शुरू हुआ यह पथ संचलन इंदिरा चौराहा, गांधी चौक बाजार, पुराना बाजार , रामलीला मैदान रोड से होते हुए मंडी रोड होकर सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचा। मार्ग में स्थानीय लोगों ने स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा से स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शिक्षाविद रमेशचंद्र परिहार ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संघ के संस्थापक डॉ. बलिराम हेडगेवार की जयंती है। यह दिन विक्रमी संवत के नए साल की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि यह ऋतु

परिवर्तन का प्रतीक है।

इस मौके पर हिंदू नववर्ष पर स्वयंसेवकों ने सामाजिक परिवर्तन का संकल्प लिया।

कार्यवाह ने स्वयंसेवकों से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और परिवार प्रबोधन पर ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नववर्ष पर सामाजिक परिवर्तन के लिए संकल्प लेना चाहिए।इस मौके पर राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ , शिवनारायण चचौदिया, कार्यवाहक राघवेन्द्र जी , प्रेमशंकर तिवारी, महेंद्र सिंह राजावत,आशीष पंडा, गजेन्द्र सिंह,प्रशान्त सिंघई, उदयभान सिंह,पीयूष शुक्ला,सी पी सिंह ,शिवा राजा ,अखंड प्रताप,रजऊ राजा ,सौरभ राजा , आशुतोष सिंह,पुप्पम ,दीपक तिवारी, देवेंद्र तिवारी, महिपाल सिंह, गुड्डू राजा , अवधेश रावत ,आशीष मोदी ,सोनू चौबे, राजेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह,नीरज लक्ष्यकार सहित बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही ।

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से किसान की मौत

ललितपुर थाना सौजना के ग्राम बारीन में खेत पर फसल में पानी देने गये किसान की सर्पदंश से मौत हो गयी, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम बारीन निवासी मनोहर पुत्र बच्चूला उम्र 48 वर्ष के परिजनों ने बताया कि बीते शनिवार की शाम मनोहर खेत पर मूंग की फसल में पानी देने गया था। उसकी दौरान उसके पैर में सर्प ने काट लिया। जानकारी होने पर परिजनों द्वारा आनन-फानन में उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक चार एकड़ जमीन पर खेती किसानी कर परिवार का भरण पोषण करता था। वह एक बहन में इकलौता था। उसका एक पुत्र व एक पुत्री है।

टीवी की बीमारी से परेशान ग्रामीण ने फांसी लगाकर दी जान

सलिउपुर थाना बार के ग्राम पारीन में एक युवक ने टीवी की बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम पारीन निवासी चेनू कुशवाहा पुत्र हरप्रसाद उम्र 45 वर्ष के परिजनों ने बताया कि बीते करीब एक-डेढ़ वर्ष से चेनू टीवी की बीमारी से ग्रसित था। उसका उपचार परिजनों द्वारा नौगांव कराया जा रहा था। बीते शनिवार को परिजन खेत पर गये मे। घर पर वह अकेला था। शाम को खेत से वापस लौटी उसकी पत्नी गौरा आवाज देने के बाद भी कोई उत्तर न मिलता देख दरवाजा खोलकर अंदर पहुंची, जहां उसने पति का शव म्यारी पर रस्सी के फंदे पर लटका देख परिजन व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतारकर कब्जे में ले लिया। मृतक पांच भाई व दो बहन में तीसरे नम्बर का था, उसके दो पुत्र व एक पुत्री है। मृतक के बड़े पुत्र आनंद ने टीवी की बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही है।

पुत्र के साथ मारपीट का मों ने कराया केस दर्ज

तालितपुर कस्बा महरौनी के पुराना सौजना रोड निवासी राजकुमारी पत्नी रामप्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मोहलते में रहने वाले अर्जित रैकवार पुत्र रवि ने बीते शनिवार को जब उसका पुत्र नरेश कस्था महरौनी में था। उसी समय उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगा, मना करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने नामजद आरोपित के खिलाफ मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

दो व्यक्तियों ने ग्रामीण के साथ की मारपीट

ललितपुर थाना बानपुर के ग्राम तेर टपरिपन निवासी रामस्वरूप पुत्र भड़या 28 मार्च को गांव में था। तभी गांव का हरीसिंह पुत्र सूरज सिंह अपने एक साथी के साथ आकर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा, विरोध करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने दो नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

खेत में मवेशी घुसने का उलाहना देने पर की मारपीट

ललितपुर शहर कोतवाली के ग्राम पनारी में फसल रखवाली करते समय खेत में मवेशी घुसने का उलाहना देने पर एक राय होकर मारपीट कर धमकी देने मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। नगर के मोहल्ला चौबयाना निवासी मकूलाल पुत्र प्यारेलाल कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि 29 मार्च को वह ग्रम पारी में स्थित खेत पर फसल की रखवाली कर रहा था। तभी खेत की मेड तोडकर जानवर खेत में घुस आये, यह देख उसने मवेशी वालो को उलाहना दिया। जिससे आक्रोशित होकर गांव में रहने वाले फूल सिंह पुत्र चन्द्रभान, आधार सिंह पुत्र चन्द्रभान, सियाराम पुत्र फूल सिंह, डेगराज पुत्र फूल सिंह, शोभाराम पुत्र फूल सिंह, राजकुमारी, महेश रानी व रचना एकराय होकर लाठी डंडों एवं कुल्हाडी से लैस होकर खेत पर जा पहुंचे और एकराय होकर गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। यह देख उसका भतीजा सुनील उसे बचाने आया तो आरोपितों ने उसके साथ मारपीट करने लगे, जिससे वह मौके पर बेहोश होकर गिर गया। विरोध करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

मारपीट कर घायल करने का आरोप

ललितपुर शहर कोतवाली के ग्राम बमहोतरी नागल निवासी सियाराम पुत्र फूल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते रोज आरोपित सुनील कुशवाहा, राजपुत्र टूडी पलया व चार-पांच अज्ञात आरोपित ने दो-तीन दिन पूर्व उसके पिता, बच्चों व भाभी राजकुमार पाली शोभाराम के गाली गलौज करने की रंजिश को लेकर 29 मार्च की सुबह आ गये और लोहे की रॉड से मारपीट कर गाली गलौज करने लगे, मारपीट के दौरान पीड़ित का पिता फूल सिंह पायल हो गया।

पाली में पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया नवसंवत्सर

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर पाली चैत्र नवरात्रि के साथ शुभारंभ हो जाता है हिन्दू नव वर्ष विक्रम संवत जिसमें सरकार के कार्यकाल भी आज से ही आरंभ होते हैं। पाली में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2082 बड़े धूमधाम से मनाया गया। हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2082 शुभारंभ पर नगर के हिंदू संगठनों द्वारा आतिशबाजी कर नगर में चल समारोह निकल गया। चल समारोह की शुरूआत हजारिया महादेव मंदिर से हुई । जिसमें तमाम हिंदू संगठनों ने एक दूसरे के लिए हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2082 एवं चैत्र नवरात्रि की बधाई देकर एक दूसरे को चंदन का तिलक लगाया। साथ में सभी लोगों ने अपने-अपने घरों पर बंदनवार बांधकर घरों पर भगवा ध्वज फहराया। चल समारोह में आगे आगे डीजे चल रहा था जिस पर हिंदू संगठनों के कार्यकताओं ने अपने-अपने हाथों में भगवा ध्वज लहराते हुए चल रहे थे चल समारोह में। चल समारोह में भारत माता की जय एवं जय जय श्री राम की जयकारे के जय घोष लगा रहे थे। चल समारोह हजारिया महादेव मंदिर से आरंभ होकर नगर पंचायत मैन बाजार, पंडयाना वार्ड, रेंज चौकी से वापसी होकर में बाजार, सेंट्रल बैंक, होकर बस स्टैंड पहुंचे जहां बालाजी मंदिर पर प्रसाद वितरण के साथ समापन किया गया ।

चल समारोह में आकर्षण का केंद्र रहीं भारत माता की झांकी भारत माता की झांकी सजाकर घुड़ वग्गी पर सवार थी। नगर के लोगों ने तिलक लगाकर भारत माता जय घोष कर पुष्प वर्षा की। चल समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग सेना, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल आदि हिंदू संगठन के पदाधिकारी रहे। इस मौके पर राजेश सोनी , जगदीश राय मोनू, बृजेश राजपूत, सुनील नामदेव, आशीष चौरसिया, माधव पाठक, हेमंत सोनी, नरेन्द्र ताम्रकार, ज्ञानेंद्र सिंह, नंदकिशोर चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, अजय चौबे, देवेंद्र प्रजापति, अमित जायसवाल, दीप चौरसिया, रजनीकांत, रितिक साहू, राज, राजेंद्र राय, सुरेंद्रराय, आयुष, रोहित, महेंद्र, राजू, कालूराम, विवेक जायसवाल, रमेश, पुष्पेंद्र चौरसिया, सुनील राय, विमल कुशवाहा, विवेक जड़िया आदि संख्या में लोग चल समारोह में सम्मिलित हुई। कार्यक्रम में पधारे लोगों का संयुक्त रूप से राघवेंद्र विश्वकर्मा एवं रवि साहू ने आभार व्यक्त कर हिंदू नव वर्ष की बधाई दी।

सेवानिवृत्ति शिक्षक को दी भावभीनी विदाई, उनके कार्यकाल की प्रशंशा की गई

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी ब्लाक अंतर्गत कम्पोजिट उ. प्रा. वि. भैरा में पदस्थ प्रेमनारायण सेन प्रधानाध्यापक ने शिक्षा विभाग से अपना कार्यकाल पूर्ण करते हुये 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत होने पर शनिवार को उ. प्रा. वि. भैरा में सादगीपूर्ण ढंग से विदाई समारोह का आयोजन किया गया!

जिसमें विद्यालय के सहयोगी शिक्षक साथियों ने भी भाग लिया और सेवानिर्बित्त प्रधानाध्यापक को तिलक, माल्यार्पण कर मिठाई खिलाकर सम्मानित किया इसके साथ ही विदाई अवसर पर सप्रेम भेंट भी दी।

वह शासकीय सेवा में सन 1998 सिदार्थ नगर में आये और भैरा विद्यालय मे 2006 मे आये

वह जहां जहां भी तैनात रहे उस विद्यालय में शैक्षिक वातावरण व अनुशासन उत्तम रहा। इसके लिये उन्होंने काफी त्याग, समर्पण, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया। अपने सिद्धांतों के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया और एक बेहद सराहनीय कार्यकाल उनका रहा। जिसकी सभी अभिभावकों, अधिकारियों व आमजन द्वारा हमेशा सराहना की गयी।

आज शासकीय सेवा से सेवानिर्वित्ति पर प्रेमनारायण सेन जी का कहना है कि एक शिक्षक कभी अपने दायित्वों से सेवानिवृत्त नहीं होता है। उनका कहना है कि जब तक उनका शरीर साथ देता रहेगा तो वह किसी ना किसी रूप में विद्यादान देते रहेंगे और समाजहित में सदैव सक्रियता बनाये रखेंगे।

ह, विधताकय के सजिजश्कों ने उनके जीवन, उच्च विचारों पर गर्व करते हुए उनके कुशल, स्वस्थ्य एवम दीर्घ जीवन की कामना की।

इस मौके पर शिक्षक रामलाल अहिरवार, विवेकानंद, अरहन्त कठरया, देवेंद्र कुमार, राजपाल सिंह, मोहनलाल, संजय गुप्ता, राजपाल सिंह अनुदेशक, किरन यादव, दीपा वर्मा, रामकान्ति सैनी, राजकुमारी अहिरवार सहित विद्यालय के चगात्र छात्राएं उपस्थित रहे!

धूमधाम से मनाया गया ईद का त्यौहार, दुरुस्त रही सुरक्षा व्यवस्था

चित्रकूट ब्यूरोः जनपद में ईद-उल-फितर का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लोगों ने नमाज अदा कर एक-दूसरे को ईद की बधाई दी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त नजर आई। पुलिस अधीक्षक ने भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ईद पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत कर्वी शहर के पुरानी कोतवाली, तरौहा, बड़ी मस्जिद, छोटी मस्जिद, कजियाना मोहल्ला एवं काली देवी चैराहा आदि क्षेत्र का

भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करते हुए पर्व को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय लोगों से भी शान्ति, सौहार्द्रपूर्ण एवं भाई चारे के साथ पर्व को मनाने की अपील की।

ईद त्यौहार को सकुशल संपन्न कराए जाने एवं शान्ति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत थाना कोतवाली कर्वी क्षेत्र के उतारखाना, कजियाना मोहल्ला, ईदगाह एवं मिश्रित घनी आबादी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के आस पास भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में ड्रोन कैमरे से निगरानी भी की गयी।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय छात्रावास के विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाया हिंदू नव वर्ष

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंदू नववर्ष पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया। इस दौरान कुलगुरु ने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की जानकारी दी।

कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा के नेतृत्व में ग्रामोदय के तीन छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों ने छात्रावास अधीक्षकों व शिक्षकों के साथ मिलकर नव वर्ष प्रतिपदा एवं नवरात्रि पर्व पर पूजा, अर्चना कर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त की। प्रातः काल स्नान के बाद छात्राओं ने अनुसूया महिला छात्रावास में विभिन्न रंगों से रंगोली सजाकर नव वर्ष का स्वागत किया। श्रीराम छात्रावास और विवेकानंद छात्रावास के छात्रों ने पुष्पों की मालाएं और पत्तियों की लड़ियों के माध्यम से नव वर्ष का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम के अंत में लोगो ने प्रसाद का वितरण किया गया।

सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक सीबी सिंह केंद्रीय निगरानी समिति के जिला कोऑर्डिनेटर बने

चित्रकूट ब्यूरोः सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चित्रकूट के सेवानिवृत्त सीबी सिंह प्रबंधक आर्यावर्त बैंक को केंद्रीय निगरानी समिति का जिला कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। अमर शहीद वीरांगना अवंती बाई लोधी उत्थान समिति की ओर से उनका सोमवार को भव्य स्वागत किया गया। मंत्रालय की ओर से केंद्रीय निगरानी समिति भारत सरकार के सदस्य रविंद्र प्रधान द्वारा भेजे गए पत्र में अवगत कराया गया कि चित्रकूट जनपद के शोषित वंचित सफाई कर्मचारी व सभी आम जन की समस्याओं की प्रति श्री सिंह की जागरूकता व उनके समाधान हेतु उनकी लगन ईमानदारी कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए जिला कोऑर्डिनेटर के पद पर नियुक्ति की गई है । पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है कि दीन हीन निर्धन कमजोर बेसहारों की मदद कर उन्हें न्याय दिलाने का काम करेंगे और अपने पद की गरिमा के अनुकूल कार्य करेंगे। समिति के कार्यों को अग्रेषित करने मजबूत करने तथा जरूरतमंदों को सामाजिक न्याय दिलाने में आपकी भूमिका एक सहकार्य के रूप में होगी । केंद्रीय निगरानी समिति सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार ने उन्हें इसके लिए शुभकामनाएं।

चित्रकूट गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः धर्मनगरी में श्रीरामनवमी को चित्रकूट गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी छह अप्रैल को जनपद चित्रकूट में 11 लाख दीपक जलाने के लिए सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

सोमवार को जिला मुख्यालय में आयोजित बैठक में मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश प्रशासन सहित संत-महात्माओं तथा समाजसेवी संस्थाओं ने चतुर्थ चित्रकूट गौरव दिवस के अवसर पर 11 लाख दीपक प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही सभी को जिम्मेदारियों भी सौंपी गई। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि कहा कि यह समाज का कार्यक्रम है, इसमें सभी लोगों से सहयोग की अपेक्षा है। गत वर्ष गायत्री शक्ति पीठ, सद्गुरु सेवा संघ, दीनदयाल शोध संस्थान, ग्रामोदय विश्वविद्यालय सहित अन्य सामाजिक संगठनों व आम जनमानस के सहयोग से परिक्रमा मार्ग, रामघाट व पूरे क्षेत्र में 11 लाख दीपक जलाए गए थे। कहा कि इस वर्ष भी चित्रकूट गौरव दिवस के अवसर पर सभी लोग दीपक जलाने में अपना सहयोग दें।

प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस सम्बन्ध में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने की अपील की। साथ ही वार्डो में सभासदों को लोगों के साथ बैठक करते हुए वार्ड व मोहल्लों में दीपक जलाने के लिए प्रेरित करें। नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह बुंदेलखंड का गौरव है। इसमें बुंदेलखंड की विधाओं पर आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाए। बताया कि नगर पालिका द्वारा 51,000 दीपक जलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा अन्य प्रतिष्ठानों के माध्यम से लगभग 6,50,000 दीपक जलाए जाने का अनुरोध किया जा रहा है। सभी नागरिकों से अपील है कि आगामी छह अप्रैल को 11 दीपक अवश्य जलाएं। साथ ही होटल, रेस्टोरेंट एवं विभिन्न व्यवसायी 1,100 से लेकर 1,500 दीपक अवश्य जलाएं।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सहित सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लोग समन्वय स्थापित करते सकुशल चित्रकूट गौरव दिवस को मनाए। जिला पर्यटन अधिकारी को प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। कहा कि सभी लोगों से समन्वय स्थापित कर दीपक जलवाएं। मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के लोग आपस में समन्वय बनाकर चित्रकूट गौरव दिवस मनाएं। प्राचीन परंपराओं का पालन करते हुए कार्यक्रम को संपन्न कराएं।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, भाजयुमो अध्यक्ष विकास मिश्रा, जिला महामंत्री आलोक पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उपजिलाधिकारी सदर पूजा साहू, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, जिला शासकीय अधिवक्ता श्याम सुंदर मिश्र सहित अन्य जनप्रतिनिधि व प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

राजस्थान दिवस सप्ताह

जिला स्तरीय निवेश उत्सव आयोजित

जिले में राइजिंग राजस्थान के तहत 396 एमओयू किए गए,

जिले में राइजिंग राजस्थान के तहत 396 एमओयू किए गए, 30 की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, 31 मार्च। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत सोमवार को जयपुर में निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इंपैक्ट 1.ड का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से प्रसारण जिला सचिवालय खैरथल तिजारा के सभागार में किया गया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में 396 एमओयू किए गए हैं जिसके तहत जिले में लगभग 23500 करोड़ के रुपए के निवेश होने हैं, जिनमें से 30 की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई है। जिसके तहत 500 करोड़ रुपए के निवेश हुए हैं एवं करीब 1000 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। इसके साथ ही 12 एमओयू का क्रियान्वयन किया गया है जिसके तहत 115 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। कई एमओयू प्रक्रियाधीन है जिनकी जल्द ही ग्राउंड ब्रेकिंग में आने की संभावना है।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी, राजस्थान डाटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान टेक्सटाइल और अपैरल पॉलिसी का भी विमोचन किया। साथ ही, राइजिंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की मॉनिटरिंग हेतु मोबाइल ऐप का शुभारंभ, निवेशकों को भू-आवंटन पत्र वितरण, राइजिंग राजस्थान के न्यूज लेटर का विमोचन एवं राजस्थान फाउंडेशन के 14 नये चैप्टर्स की शुरूआत के दिशा-निर्देश भी जारी किए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल, भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, अध्यक्ष, खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (के. के. आई. ए) प्रदीप दायमा, जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक रीको प्रथम ज्ञानेंद्र शर्मा, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, महाप्रबंधक उद्योग विभाग, सुरजीत सिंह खोरिया, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, उद्योगपति एवं उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रिको टीम उपस्थित रही।

ईद पर अमन की दुआएं, गले मिलकर दी मुबारकबाद

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल! शहर सहित आसपास के क्षेत्र में ईद उल फितर बडी धूमधाम से मनाया गया!

इस मौके पर एक दूसरे के गले लग कर ईद की बधाई दी गई!समीपवर्ती ग्राम पेहल की मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज मोलाना अहमद कासमी ने अता कराई!इस मौके पर हाजी बनवारी खानजुम्मा खान,मदार खान,पप्पी खान,सकूर खान,रहमू, हारून,आमीन खान,जिला अध्यक्ष सुनील खान, अकबर खान,मुहम्मद तारिक आदि लोग मौजूद रहे!वही शहर के बुढ़ावाली स्थित ईदगाह में मौलाना ईसब खान ने ईद की नमाज अदा कराई और अमन चैन की दुआ मांगी!इस मौके पर अलीमुद्दीन,छंगा,परवेज आलम,असलम,हबीब, जाकर हुसैन,नवीन आदि सैकड़ो नमाजी मौजूद रहे!

उधर, शहर के ठेकड़ा स्थित मस्जिद में ईद की नमाज अता की गई!यहां काफी संख्या में मुस्लिम भाई मौजूद रहे!

फर्जी पट्टे के मामले में मंगलवाड़ सरपंच गिरफ्तार, सचिव के जाली हस्ताक्षर कर जारी किए थे

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्तौड़गढ़ । फर्जी पट्टों में और किन-किन व्यक्तियों की संलिप्तता है, इस संबंध में जांच जारी है। सरपंच धनराज मीणा द्वारा अन्य लोगों को भी फर्जी पट्टे जारी किए जाने की शिकायतें थाने पर प्राप्त हुई हैं।

चित्तौड़गढ़ जिले के ग्राम विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में पुलिस ने मंगलवाड़ के सरपंच को गिरफ्तार किया है। सरपंच को न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। मंगलवाड़ थाना पुलिस अन्य लोगों की संलिप्तता के बारे में पूछताछ में जुटी हुई है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 3 फरवरी 2023 को डूंगला के ग्राम विकास अधिकारी कुलदीप सिंह मीणा ने मंगलवाड़ थाने पर एक रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि राजस्थान सरकार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग जयपुर से प्राप्त पत्र की पालना में पंचायत समिति डूंगला के जांच अधिकारियों द्वारा पट्टों के रिकॉर्ड की जांच की गई।

उप तहसील कार्यालय मंगलवाड़ से जुलाई 2022 से नवंबर 2022 तक पट्टों के पंजीयन की सूची ली गई। इसका ग्राम पंचायत मंगलवाड़ के रिकॉर्ड से मिलान किया गया। इसमें पाया गया कि शंकरलाल पुत्र भंवरलाल खटीक, मनीष पुत्र छगनलाल सिसोदिया, दिलीप पुत्र सत्यनारायण अग्रवाल, मांगीलाल पुत्र उकार अहीर, नारायण पुत्र भैरा अहीर, सीताबाई पत्नी हरिराम मीणा एवं चंदा पत्नी ललित भावसार के पट्टे किसी अन्य पट्टा बुक से जारी कर ग्राम विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे।

इनके पंजीयन पर भी असली हस्ताक्षर नहीं थे। पंचायत समिति डूंगला से सरकारी रूप से जारी पट्टा बुक से इन पट्टों को जारी नहीं किया गया था। उक्त पट्टों पर फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे, जो ग्राम विकास अधिकारी के नहीं थे। ग्राम विकास अधिकारी की रिपोर्ट पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना अधिकारी मंगलवाड़ भगवानलाल के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता की विशेष टीम गठित की गई, टीम ने फर्जी पट्टे जारी करने की जांच की। मामले में मंगलवाड़ के सरपंच ब्रह्मपुरी मंगलवाड़ निवासी धनराज पुत्र हरिराम मीणा को गिरफ्तार किया गया। उसे न्यायालय में पेश कर दो दिन का पीसी रिमांड प्राप्त किया गया।

आगे की जांच जारी

फर्जी पट्टों में और किन-किन व्यक्तियों की संलिप्तता है, इस संबंध में जांच जारी है। सरपंच धनराज मीणा द्वारा अन्य लोगों को भी फर्जी पट्टे जारी किए जाने की शिकायतें थाने पर प्राप्त हुई हैं। इस संबंध में भी अनुसंधान जारी है।

गणगौर पर्व पर 15 दिन घरो मे रही घूम सोमवार शाम को हुआ विसर्जन

नवविवाहिताएं सुहाग की लंबी उम्र की कामना करती हैं.

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथलः होली पर्व के दूसरे दिन 14 मार्च से शुरू हुआ गणगौर पूजन 1 अप्रैल को गणगौर विसर्जन के साथ समाप्त हो गया 15 दिन घरो मे गणगौर पूजा की धूम रही है सोमवार को सांय गणगौर विसर्जन की धूम देखी जा रही है. आधुनिक युग के साथ-साथ गणगौर पूजन की परंपराओं में भी बदलाव देखने को मिला है.

जिस तरह से शादी में सगाई, हल्दी, मेहंदी की रस्में निभाई जाती है. उसी तरह 15 दिन शादी की सारी रस्मे निभाई गई

गणगौर पर्व को लेकर नवविवाहित युवतियों और महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला और नवविवाहिताओं युवतियों और महिलाओं ने हल्दी की थीम पर येलो कलर के कपड़े पहने और येलो कलर से घर को सजाया. इस दौरान उपस्थित महिलाओं, युवतियों और नवविवाहिताओ ने गणगौर व ईशर के सांस्कृतिक गीतों के साथ हल्दी लगाई. उसके बाद उपस्थित सभी नवयुवाहिताओं, युवतियों और महिलाओं ने राजस्थानी गीतों पर जमकर नृत्य किया.

सोमवार को शहर में राजस्थानी परिवेश मे नाचते गाते हुए मातोर रोड हरिपसाद जी के कुएं पर पहुची और गणगौर का विसर्जन किया खैरथल गांव मे पुष्करणा समाज ने हर वर्ष की भांति गणगौर की यात्रा निकाली सैकड़ों की संख्या मे महिलाओ ने गणगौर विसर्जन किया प्रसाद का वितरण किया

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता गिरजा झुलसीं, गणगौर की पूजा करते समय चुनरी में लगी आग, अहमदाबाद रेफर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

जयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास गणगौर की पूजा कर रही थीं, इस दौरान उनकी चुनरी में आग लग गई। इसके बाद उन्हें उदयपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उन्हें अहमदाबाद रेफर कर दिया गया।

राजस्थान कांग्रेस की सीनियर लीडर और पूर्व कंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास गणगौर की पूजा करते समय आग में झुलस गई। बताया जा रहा है कि उनकी चुन्नी में आग लग गई। उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद रेफर किया गया है। इससे पहले परिजन उन्हें उदयपुर के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

गिरिजा व्यास के पुत्र गोपाल शर्मा ने बताया कि मैं फार्म हाऊस पर गया था, इस दौरान आग लगने की सूचना मिली। जब घर पहुंचे तो पता चला कि मां गणगौर की पूजा कर रही थीं, तभी उनकी चुनरी में आग लग गई। घर में ही काम कर रहे लोगों ने उन्हें संभाला और आग को बुझाया। इसके बाद उन्हें उदयपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उन्हें अहमदाबाद रेफर कर दिया गया। गिरिजा व्यास की बहू हितांशी शर्मा का कहना है कि गणगौर की पूजा करने के बाद नीचे जल रहे दीपक से चुन्नी ने आग पकड़ ली। हम उन्हें घर में काम करने वाले बसंत के साथ अस्पताल लेकर गए पहुंचे।

जोधपुर पुलिस की तस्कर पर बड़ी कार्रवाई, दो मकान, ट्रक और बैंक खाता सीज

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर पुलिस ने अवैध रूप से तस्करी कर जुटा गई संपत्ति पर बड़ी कार्रवाई की है। जिले में एक तस्कर के दो मकान और ट्रक समेत एक बैंक खाते को सीज किया गया है।

जोधपुर पुलिस ने तस्करी के जरिए अवैध रूप से अर्जित संपत्ति पर बड़ी कार्रवाई की है। जोधपुर ग्रामीण के खेड़ापा थाना पुलिस ने तस्कर श्रवणलाल के खिलाफ धारा 68एफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित चार संपत्तियों को फ्रीज किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक, जोधपुर ग्रामीण राममूर्ति जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम और तस्करों पर नकेल कसने के लिए एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 (एफ) के तहत पुलिस को श्रवणलाल पुत्र नारूराम उर्फ नरसिंगराम निवासी विश्नोइयों की ढाणियां पुलिस थाना खेड़ापा के विरुद्ध अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को जब्त करने के निर्देश प्राप्त हुए। इस आदेश के तहत तस्कर श्रवणलाल द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति को फ्रीज किया गया।

सक्षम अधिकारी और प्रशासक, तस्कर एवं विदेशी मुद्रा छलसाधक (संपत्ति समपहरण) तथा एनडीपीएस, दिल्ली द्वारा तस्कर श्रवणलाल की 4 संपत्तियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(2) के तहत फ्रीज करने के आदेश जारी किए गए।

फ्रीज की गई संपत्तियां

वाहन झ ट्रक ट्रेलर मॉडल 2016 (रजिस्ट्रेशन नंबर आरजे 19 जीई 6409)

मकान झ खसरा नंबर 155, ग्राम अणवाणा में स्थित मकान

मकान झ खसरा नंबर 1904/48/05, महादेव नगर कॉलोनी, निम्बड़ी मंडोर स्थित मकान

बैंक खाता - आरोपी श्रवणलाल का बैंक खाता संख्या 080001505430 एवं उसमें जमा राशि

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि भविष्य में भी जिला पुलिस मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई जारी रखेगी। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(2) के तहत अलग-अलग अपराधियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इन्वेस्टर इंटरफेस का मोबाइल एप लॉन्च, दिसंबर में राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट ने विश्वभर के निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया और 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू साइन किए गए। हम 5 वर्षों में 10 लाख रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

राजधानी जयपुर में सोमवार को एक पांच सितारा होटल में निवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित हुए निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपए के एमओयू की आज ग्राउण्ड ब्रेकिंग की गई है। आज का निवेश उत्सव एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन इम्पैक्ट 1.0 (इम्पैक्ट वन प्वाइंट ओ) पर केंद्रित है, जो राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दशार्ता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय रिव्यू मेकैनिज्म बनाया है। हर विभाग और जिले में डेडिकेटेड टीम बनाई जो इन एमओयू की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है, ताकि निवेश का हर प्रस्ताव समय पर कार्यान्वित हो सके। इस सतत पर्यवेक्षण का ही परिणाम है कि 'राइजिंग राजस्थान' के तहत हुए एमओयू में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो रही है। कार्यक्रम में इस संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रीको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट पॉलिसी लॉन्च की जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया जिन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए। निवेशकों के उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष आवंटन नीति 16 मार्च से 30 अप्रैल तक निष्पादित होने वाले सभी नए एमओयू पर भी लागू किए जाने की घोषणा की। ये एमओयू धारक अगले आवेदन प्रक्रिया के दौर में इस नीति का लाभ उठा सकेंगे, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा और 15 मई से सभी के लिए पुनः खोला जाएगा।

10 लाख रोजगार के अवसर होंगे सृजित- मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट ने विश्वभर के निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया और 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू साइन किए गए। यह निवेशकों का हमारे राज्य के प्रति अपार विश्वास होने के साथ-साथ हमारे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्पित है। हमने उद्योगों की मांग को देखते हुए डेढ़ लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है। हम 5 वर्षों में सरकारी क्षेत्र में 4 लाख और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

18 नए औद्योगिक क्षेत्रों की होगी स्थापना- शर्मा ने कहा कि सरकार 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने जा रही है। इन नए औद्योगिक क्षेत्रों को अलग-अलग सेक्टर्स की जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया है, ताकि हमारा प्रदेश मैन्यूफैक्चरिंग का पावरहाउस बन सके। साथ ही, यहां सौर एवं पवन ऊर्जा की प्रचुरता ने भी पूरी दुनिया के निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया है। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन के गुवाहाटी, भुवनेश्वर, रांची, पुणे, दिल्ली, दुबई, म्यूनिख, रियाद, टोक्यो, सिंगापुर, मेलबर्न, नैरोबी, कम्पाला और दोहा में 14 नए चैप्टर्स खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हमारी सरकार इस साल 11 और 12 दिसंबर को दो दिवसीय राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन भी करेगी।

'किरोड़ी लाल कभी संतुष्ट नहीं होंगे', हनुमान बोले- CM भी बना दो तो तीन महीने बाद असंतुष्ट हो जाएंगे

जयपुर। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के बारे में बेनीवाल ने कहा- वह वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन जाने किस मजबूरी में भाजपा में चले गए और वहां जाने के बाद भी वे संतुष्ट नहीं हैं। डॉ. साहब जैसा आदमी संतुष्ट हो ही नहीं सकता। अगर, उन्हें मुख्यमंत्री भी बना दिया जाए तो भी तीन महीने में असंतुष्ट हो जाएंगे। यह उनका स्वभाव है।

नागौर से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद और संस्थापक हनुमान बेनीवाल ने अमर उजाला से खास बातचीत में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. साहब कभी संतुष्ट हो ही नहीं सकते, यह उनके स्वभाव में है। अगर, उन्हें मुख्यमंत्री भी बना दिया जाए, तो वे तीन महीने में असंतुष्ट हो जाएंगे।

धोखा देना लोगों की आदत - आप इतनी खरी बातें बोलते हैं, क्या आपको कभी नहीं लगा कि लोग आपको छोड़कर चले जाएंगे? इस सवाल के जवाब में हनुमान बेनीवाल ने कहा कि लोग तो जा ही रहे हैं। कोई विधायक बन गया, कोई सांसद बन रहा है। मेरे जो तीन विधायक थे, वे तो मुझे छोड़कर नहीं गए। लेकिन, जैसे ही हम नए लोगों को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं, वे छोड़कर चले जाते हैं। धोखा देना लोगों की आदत हो गई है, उन्हें इसमें आनंद आता है।

जिलेभर में उल्लास व उमंग के साथ मनाया गया ईद का त्यौहार

ईदगाह सहित तमाम मस्जिदों में देश की खुशहाली की दुआ, घरों में भी मनायी गयी ईद की खुशियां, हिन्दुओं ने भी दी ईद की मुबारकबाद

एनपीटी संवाददाता

शामली/झिंझाना। ईदुल फितर का त्यौहार सोमवार को जिलेभर में उत्साह व उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर ईदगाह सहित शहर की तमाम मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने देश में अमन चैन व खुशहाली की कामना की। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद पर घरों में भी जमकर खुशियां मनायी गयी। इस दौरान कई तरह के व्यंजन भी बनाए गए। जानकारी के अनुसार जिलेभर में सोमवार को ईद का त्यौहार हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। सुबह के समय कैराना रोड स्थित ईदगाह पर भीड ज्यादा होने के चलते पुलिस को व्यवस्था संभालनी पडी। जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलाना शौकीन ने ईद की नमाज अदा कराई। मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों ने एक साथ नमाज पढ़ी। मुस्लिमों ने खुदा से देश में अमन-चैन एवं खुशहाली की दुआ की। नमाज के बाद सभी लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं ईदगाह के बाहर लगे मेले में बच्चों ने जमकर खरीददारी की। इस दौरान एसडीएम विनय प्रताप सिंह भदौरिया, सीओ सिटी अमरदीप मौर्यसहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स भी मौजूद रहा। सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, समाजसेवी विजय कौशिक ने भी मुस्लिम लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। ईदगाह के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों जिनमें मस्जिद फतेहपुरी, मस्जिद कुरैशियान, मदरसा तैमूरशाह व गढ़ी वाली मस्जिद में भी नमाज अदा की गई। लोगों ने एक-दूसरे को ईद की शुभकामनाएं दीं। ईद के मौके पर घरों में भी जमकर खुशियां मनायी गयी। घरों में मीठी सिंवई, मिठाइयों, फलों, शीर और पकौड़ी-चाट सहित अन्य व्यंजन भी बनाए गए। देर शाम तक ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला जारी रहा।

झिंझाना। मेरठ करनाल हाईवे स्थित कस्बे की मुख्य ईदगाह में शहर काजी मौलाना अकरम साहब ने ईद उल फितर की नमाज अदा कराई। जिसमें कस्बा सहित देहात क्षेत्र के हजारों लोगों ने ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद मुल्क के लिए अमन चैन की दुआ कराई गई, इससे पहले कारी वकीलुर्रहमान ने ईद की खुसुसियत के बारे विस्तार से बयान किया। कस्बे की शाही जामा मस्जिद नीला रोजा में ईद की नमाज मौलाना याकूब ने अदा कराई। वहीं मोहल्ला शाह मुबारिक जमा मस्जिद में मौलाना जरिफ अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। आलिमों ने नमाज से पहले लोगों ईद के बारे में विस्तार के बताया। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार शर्मा ने यातायात सुरक्षा को देखते हुए नमाज के समय कुछ देर के लिए हाइवे की दोनो लाइनों को रोक दिया था। जिससे ईद की नमाज अदा कर लोग आसानी से अपने घर जा सके, वहीं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नौशाद ठेकेदार द्वारा ईदगाह में आए नमाजियों के ऊपर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। ईद की नमाज पढ़ने के लिए बुजर्ग भी पीछे नहीं रहे। 92 साल के हाजी शरीफ भी अपने पोते अरशद सैफी, फैज सैफी की मदद से ईदगाह में पहुंचे तथा नमाज अदा की। चौसाना व जिजौला में बडी ईदगाह पर सुबह आठ बजे ईद की सामूहिक नमाज हुई। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मुल्क में अमन, चैन खुशहाली की दुआ की गई। ईद की नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गयी। चौसाना व जिजाला में ऊन तिराहे पर बड़ी ईदगाह सहित क्षेत्र की विभिन्न ईदगाहों, मस्जिदों में सुबह ईद की सामूहिक नमाज हुई। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स को भी तैनात किया गया था। वही कैराना, कांधला, गढीपुख्ता में भी ईद का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। मुस्लिमों ने एक दूसरे को ईद की बधाई दी। वहीं युवाओं व बच्चों में भी ईद को लेकर उत्साह नजर आया।

एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी

जलालाबाद। कस्बे में ईदुल फितर का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। कस्बे की ईदगाह सहित कस्बे के अन्य कई मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। ईद पर मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह में ईद की नमाज अदा कर अमन की दुआ मांगी। नमाज के बाद सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। हिंदू मुस्लिम सभी ने एक दूसरे को ईद मुबारक देते हुए शीर का स्वाद लिया। छोटे-छोटे बच्चों ने ईदगाह के पास लगी हुई दुकानों से खेल खिलौने की खरीदारी करते हुए ईद का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान पुलिस विभाग व खुफिया तंत्र पूरी तरह चौकन्ना रहा।

अपनी जमीनें बचानी हैं तो सड़कों पर उतरना होगा!

वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ मुफ्ती तैमूर का आह्वान, वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ रोष

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ मुस्लिम समाज में भारी रोष है। ईदगाह स्थल जिजौला में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुफ्ती मोहम्मद तैमूर ने इस बिल का कड़ा विरोध करते हुए समुदाय को सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। ईद के मौके पर जिजौला, बल्लामाजरा, खोडसमा, टोडा, अलीपुरा सहित अन्य गांवों से आए सैकड़ों लोगों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। मुफ्ती तैमूर ने सरकार पर मुस्लिम संपत्तियों पर अधिकार जताने का आरोप लगाते हुए कहा, "यह बिल समुदाय के धार्मिक और सामाजिक अधिकारों का हनन है। अगर यह लागू हुआ तो मुस्लिम समाज की संपत्तियों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ जाएगा, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।" मुफ्ती तैमूर ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे अपनी जमीनों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए संगठित हों और सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराएं। उन्होंने कहा, "हमारी ईदगाहें, मस्जिदें और वक्फ की संपत्तियां हमारी आस्था से जुड़ी हैं। सरकार इन्हें छीनने की कोशिश कर रही है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" विरोध प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। भीड़ के जोश और नारों के बीच पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद रहा, लेकिन उन्होंने कोई हस्तक्षेप नहीं किया। इससे साफ है कि इस मुद्दे को लेकर जनता में कितना आक्रोश है। मुफ्ती तैमूर ने सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, "अगर सरकार ने यह बिल वापस नहीं लिया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। हम अपने धार्मिक अधिकारों पर कोई समझौता नहीं करेंगे और जब तक यह बिल वापस नहीं लिया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा।"

समीक्षा योजना का आयोजन

शामली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला समीक्षा योजना का आयोजन सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज में हुआ। समीक्षा योजना में 2024-25 के कार्यों की समीक्षा की गयी वहीं वर्ष 2025-26 के लिए वर्षभर की कार्य योजना भी बनायी गयी। इस अवसर पर प्रांत सविष्कार संयोजक वैभव श्रीवास्तव, प्रांत सह सोशल मीडिया संयोजक वैभव ऐरन, जिला विस्तारक केशव शर्मा, हनी, सनी, वंश, वंश मौजूद रहे।

संक्षेप समाचार :

साठा धान की फसल को लेकर कृषि विभाग अलर्ट

शामली। क्षेत्र के किसानों द्वारा आर्थिक लाभ लेने के लिए लगाई जा रही साठा धान की फसल को लेकर अब कृषि विभाग अलर्ट नजर आ रहा है। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से साठा धान की फसल को न लगाए जाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनपद में भूमिगत जल की गंभीर समस्या है और साठा धान की फसल को ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए किसान धान की फसल न लगाएं। डीएम शामली अरविन्द कुमार चौहान ने शामली जनपद में मार्च, अप्रैल एवं मई माह में लगाई जाने वाली धान की प्रजाति पीबी 1509 व 1692 जिसको स्थानीय भाषा में साठा कहा जाता है, को न लगाए जाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी ने क्षेत्र के किसानों से धान की फसल की रोपाई न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनपद के पांचों विकास खंडों में तीन विकास खंड शामली और ऊन अति दोहित स्तर, कांधला एवं कैराना क्रिटिकल स्तर व थानाभवन सेमी क्रिटिकल स्तर पर है। एक किलो चावल के उत्पादन करने में लगभग 2500 लीटर पानी का प्रयोग होता है। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी ब्लाकों में भूमिगत जल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है और धान की फसल दोबारा लगाने से भूमिगत जल का अतिदोहन हो रहा है, इससे भविष्य में पानी की गंभीर समस्या के साथ-साथ सिंचाई के पानी की भी समस्या पैदा हो जाएगी। पंजाब, हरियाणा की सरकार ने इस प्रकार की खेती पर समय पूर्व धान की फसल की रोपाई पर प्रतिबंध लगा रखा है, साथ ही दंड का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं एनसीआर के डार्क जोन के जिलों में भी इस प्रकार की खेती को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि मार्च, अप्रैल, मई माह में उदड, मूंग, ढैंचा व सनई की बुआई करके हरी खाद के रूप में खेत की उर्वरा शक्ति को बढा सकते है तथा धान के बीज की सीधी बुआई करके पानी की बचत कर सकते हैं, इससे फसल लागत कम होगी तथा उत्पादन भी बढेगा।

भारत विकास परिषद के नए पदाधिकारियों की घोषणा

शामली। भारत विकास परिषद शामली अमृत शाखा की बैठक में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। अजय संगल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। भाविप की एक बैठक पूर्व अध्यक्ष खजांची वार्ष्णेय के आवास पर आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता आदिश जैन ने की। इस अवसर पर 2025-26 के नए पदाधिकारियों की भी घोषणा की गयी जिसके बाद अजय संगल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, ब्रजेश सैनी सचिव, अंकित जैन कोषाध्यक्ष, डा. रेखा अग्रवाल का महिला सह भागिता के पद पर मनोनीत किया गया। बैठक में नए सत्र में किए जाने वाले कार्यों पर भी विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर श्रीपाल गोयल, पंकज अवाल, अजय गर्ग, डा. अर्जुन वर्मा, डा. अजय वर्मा, सचिन सैनी, निशांत वर्मा, कृष्णपाल प्रधानजी, अरूण बंसल, मुदित गोयल, अमित सैनी, रमन बंसल, राजकुमार जैन, डा. मनोज अग्रवाल आदि भी मौजूद थे।

सरकारी टंकी पर कब्जा: पानी की जगह भेड़-बकरियों का तबेला!

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। विकास योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन कई परियोजनाएं आधे-अधूरे हालात में ही छोड़ दी जाती हैं। ऐसा ही एक मामला खोडसमा गांव का है, जहां तीन साल पहले बनाई गई पानी की टंकी अब ग्रामीणों की प्यास बुझाने के बजाय भेड़-बकरियों का तबेला बन गई है। यह टंकी चारदीवारी और गेट से सुरक्षित की गई थी, लेकिन कुछ लोगों ने इसे अपनी निजी संपत्ति बना लिया और अब यहां मवेशी बांधे जा रहे हैं। यह सरकारी धन के दुरुपयोग का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है, जिस पर प्रशासन की कोई नजर नहीं है।स्थानीय ग्रामीण पवन,घूसु, रमेश इस को लेकर गुस्से में हैं। गांव के ही एक नागरिक ने कहा, "यह टंकी हमारे पीने के पानी की समस्या को हल करने के लिए बनी थी, लेकिन अब यहां भेड़-बकरियां बांधी जा रही हैं। अगर प्रशासन चाहता तो यह टंकी चालू हो सकती थी, लेकिन इसे मरम्मत करने के बजाय ऐसे ही छोड़ दिया गया।" सूत्रों के अनुसार, इस टंकी के निर्माण में लाखों रुपये खर्च हुए थे, लेकिन काम अधूरा ही छोड़ दिया गया। इसका न तो कभी उपयोग हुआ और न ही इसकी देखरेख की गई। अब जब यह पूरी तरह से बेकार पड़ी है, तो कुछ ग्रामीणों ने इसे अपने मवेशियों के लिए तबेले में बदल दिया। जब इस मुद्दे पर ग्राम प्रधान विनोद कुमार से सवाल किया गया तो उन्होंने हैरानी जताई और कहा, "मुझे इसकी जानकारी नहीं थी। कल ही वहां से भेड़-बकरियों को हटवाया जाएगा और उचित कदम उठाए जाएंगे। लेकिन सवाल उठता है कि क्या ग्राम प्रधान को सच में जानकारी नहीं थी, या फिर प्रशासन की लापरवाही ने इसे नजरअंदाज कर दिया?

कैराना में प्रेम व सौहार्द से मनाया गया ईद-उल-फितर का त्योहार

अकीदत के साथ अदा की गई ईद की नमाज, अमन-चैन की दुआ डीएम-एसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एनपीटी संवाददाता

कैराना। सोमवार को प्रेम व भाईचारे का प्रतीक पर्व ईद-उल-फितर श्रद्धा, उल्लास व सौहार्द के साथ मनाया। इस अवसर पर कस्बे के प्राचीन ईदगाह के मैदान पर जामा मस्जिद के खतीब मौलाना ताहिर हसन ने लोगो को ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने खिताब करते हुए कहा कि इस्लाम में अखलाक को बड़ा दर्जा दिया गया है, जिसमें एक इंसान की कीमत दरख्त के मानिंद हैं। जिस प्रकार हर दरख्त की उसके फल से असल पहचाान होती है, उसी प्रकार अखलाक से अच्छे इंसान की पहचान दुःख-दर्द में काम आना और आपसी मुहब्बत से जाहिर होती है। उन्होंने कहा कि पवित्र कुरआन में फरमाया गया है कि जो दूसरों को तकलीफ पहुंचाएं, ऐसे इंसान को इंसान कहलाने का हक नहीं और उन्हें जानवर से भी बदतर कहा गया है। लिहाजा, सबके साथ में अच्छा सुलूक करना चाहिए। कोई यदि तकलीफ पहुंचाता है, तो उसे तकलीफ नहीं, बल्कि माफ कर देना चाहिए। बुराई का बदला भलाई से दो। उन्होंने कहा कि दिल में किन्हा और हसद रखने वाले की जिंदगी से सुकून खत्म हो जाता है। हजरत पैगंबर साहब अपने अखलाक से ही लोगों का दिल जीत लेते थे, जिन्होंने दुश्मनों के साथ में भी अच्छा बर्ताव किया, अच्छे अखलाक से पूरी दुनिया में इस्लाम फैलाया। उन्होंने इस्लाम के बताए रास्तों पर चलने की ताकीद की। वहीं, मौलाना आकिल ने अपने खिताब में कहा कि इस्लाम में तालीम पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस्लाम के नुमाइंदों के लिए दीन के अलावा आधुनिकता की तालीम भी आवश्यक है। क्योंकि मनुष्य के जीवन को सहज एवं सरल बनाने ने आधुनिक तालीम की अहम भूमिका है। उन्होंने बच्चों को बेहतर शिक्षा तथा उच्च संस्कार देने तथा नशों की गिरफ्त से बचाने का आह्वान किया। प्राचीन ईदगाह के अलावा कस्बे की जामा मस्जिद, शिया जामा मस्जिद, शामली बस अड्डे वाली मस्जिद, शाही दरबार वाली मस्जिद, मदरसा इशातुल इस्लाम वाली मस्जिद समेत विभिन्न गांवों की प्रमुख मस्जिदों तथा ईदगाहों में भी ईद की नमाज अकीदत-ओ-एहतराम के साथ अदा की गई। इस दौरान अकीदतमंदों ने हाथ उठाकर विश्व शांति, राष्ट्र एकता एवं अखंडता, उन्नति, खुशहाली आदि के लिए विशेष दुआएं मांगी।

नए कपड़े पहनकर ईदगाह पहुंचे अकीदतमंद-ईद-उल-फितर पर सबसे ज्यादा उत्साह युवाओं और बच्चों में देखने को मिला। अकीदतमंद सुबह से ही नए कपड़े पहनकर ईदगाह में पहुंचने शुरू हो गए थे। इसके अलावा अकीदतमंदों ने ईदगाह में जाकर अपनी जगह ली। जहां पर मुसल्ले और चटाई, सफें बिछाकर नमाज अदा की गई। नमाज अदा कर खुतबा सुनने के बाद ही अकीदतमंद ईदगाह से चले गए।

एक-दूसरे को गले लगाकर भुला दिए सब शिकवे गिले

ईद की नमाज अदा करने के उपरांत अकीदतमंदों ने एक-दूसरे के गले मिलकर सारे गिले शिकवे दूर किये तथा ईद की मुबारकबाद पेश की। वहीं, हिंदू समुदाय के लोगो ने भी मुस्लिम भाइयों के घर पहुंचकर ईद की शुभकामनाएं ज्ञापित की तथा ईद के अवसर पर आयोजित पार्टी में शामिल हुए।

कैराना पहुंचे डीएम व एसपी, परखी व्यवस्था

ईद के त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन की ओर से कड़े इंतजामात किए गए थे। एसडीएम स्वप्निल कुमार यादव, सीओ श्यामसिंह, सीओ(अंडर ट्रेनिंग) जितेन्द्र कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत मय पुलिस टीम के ईदगाह पर मुस्तैद नजर आए। वही, ईद के डीएम अरविंद चौहान व एसपी रामसेवक गौतम भी कैराना पहुंचे। जहां पर उन्होंने ईदगाह मैदान पर पहुंचकर स्थानीय प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने ईदगाह मैदान पर नमाज अदा करने आए अकीदतमंदों को ईद-उल-फितर की मुबारकबाद भी दी गई। उधर, नगरपालिका परिषद द्वारा ईदगाह व विभिन्न मस्जिदों के आसपास साफ-सफाई कराकर कली-चूना डलवाया गया था। इसके साथ ही पेयजल की व्यवस्था भी कराई गई थी।

बहन को ईददी देने जा रहे हैं बाइक सवार युवक की मौत

एनपीटी संवाददाता

कांधला, सगी बहन व बुआ के घर ईददी देने जा रहा बाइक सवार युवक की बुढाना क्षेत्र जनपद मुजफ्फरनगर के अंतर्गत हादसे के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के बाद कस्बे में लाया गया, जहां पर परिजनों ने गमगीन माहौल में मृतक युवक के शव को दफना दिया गया। युवक की युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

बीते रविवार को कस्बा निवासी साहिल अपने घर से बाइक पर सवार होकर सगी बहन व बुआ को ईदी देने के लिए गया था। जैसे ही बाइक सवारी युवक साहिल जनपद मुजफ्फरनगर के फुगाना क्षेत्र के नीमखेड़ी के पास पहुंचा तो उसकी बाइक की भिड़ंत सामने से आ रही बाइक से हो गई। जिसमें बाइक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस की मदद से घायलों को बुढ़ाना सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां पर साहिल की मौत हो गई। अन्य घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार को मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के बाद कस्बे में लाया गया। जहां पर भारी कोहराम के बीच परिजनों ने मृतक के शव को कब्रिस्तान ले जाकर दफना दिया। युवक की मौत से परिवार में ईद की खुशियां मातम में बदल गई।

लाखों की लूट के मामले में नहीं दर्ज सका मामला

एनपीटी संवाददाता

कांधला, थाना क्षेत्र के गांव श्याम गढ़ी में अज्ञात बदमाशो के द्वारा एक ग्रामीण के परिवार को बंधक बनाकर लाखों के लूट को अंजाम देने तथा पड़ोस के बंद मकान में चोरी करने के मामले में दो दिन बी जाने के बाद भी पुलिस ने मामला पंजीकृत नहीं किया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। थाना क्षेत्र के गांव श्यामगढ़ी में निवासी अमित अपने परिवार के साथ कमरे में सो रहा था। बीते शनिवार की मध्य रात्रि को अज्ञात 4 बदमाशों ने मकान के भीतर घुसकर परिवार को बंधक बनाने के बाद अलमारी में रखे 300000 की नगदी सहित कीमती के जेवरात को लूट लिया था। जबकि पड़ोसी ग्रामीण मोनू के बंद मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सामान को चोरी कर लिया था। घटना के संबंध में दोनों ग्रामीणों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस गांव में लगे सीसी कैमरे में खोजबीन कर आसपास के लोगों से पूछताछ करते हुए घटना के खुलासे में जुटी है। हालांकि घटना के संबंध में 48 घंटे बीत जाने के बाद भी मामला पंजीकृत नहीं किया है।

जनपद में 70 स्थानों पर होंगे रामनवमी के कार्यक्रम

थानाभवन। विश्व हिंदू परिषद का दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग कस्बे के मंदिर दयाल आश्रम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जितेंद्र कुमार प्रांत सह मंत्री रहे। कार्यक्रम का संचालन शालू राणा ने किया। इस मौके पर जितेंद्र कुमार ने कहा कि इस अभ्यास वर्ग के होने से कार्यकताओं में कार्य करने का गुणात्मक सुधार होता है। उन्होंने संगठन की स्थापना संगठन के कार्य और संगठन की समाज में भूमिका के बारे में जानकारी दी, साथ ही आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा भी बनाई गई। उन्होंने बताया कि रामनवमी के कार्यक्रम पूरे जिले में 70 स्थानों पर होंगे और हनुमान जन्मोत्सव के रूप में शामली जिला सवा लाख हनुमान चालीसा का जाप करेगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक ग्राम समिति पर मनाए जाएंगे। कार्यक्रम में विभाग मंत्री अजय कुमार, पंडित भारतभूषण शर्मा, प्रदीप पुंडीर, जिलाध्यक्ष सन्नी सरोहा, दीपक चौधरी, आकाश शर्मा, संजय कश्यप, नीरज सैनी, राजीव वर्मा, हिमांशु राणा, पंकज गोयल, रामभूल फौजी उपस्थित रहे

सरस्वती विद्या इंटर कालेज का वार्षिक परीक्षाफल घोषित

एनपीटी संवाददाता शामली। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में सोमवार को कक्षा 9 व 11 का वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया। कक्षा में हेमंत चौधरी ने 90.09 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं वंशु ने 87.94 प्रतिशत व अक्षित चौहान ने 80.40 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा 11 में आदित्य गिरी ने 88.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, आर्यन जिंदल ने 86.50 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय तथा संदेश मलिक ने 86.20 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कालेज में शत-प्रतिशत उपस्थिति में कक्षा 9 के छात्र देवांशु गहलोत, हेमंत चौधरी व हर्ष वर्मा को सम्मानित किया गया, वहीं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित शामली महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले छात्रों को भी मैडल पहनाकर व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

जिसकी श्रद्धा अस्थिर है, उसकी बुद्धि भी पूर्ण नहीं हो सकती: बाबा फुलसंदे

हनुमान धाम पर दो दिवसीय एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा दिव्य सत्संग का शुभारंभ

एनपीटी संवाददाता

शामली। देवपुत्र धर्मार्थ सेवा समिति द्वारा सोमवार को मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम पर एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा दिव्य विशाल सत्संग का शुभारंभ किया गया। सत्संग से पूर्व बाबा फुलसंदे वालों ने कहा कि जिसका मन अस्थिर है जो धर्म आचरण को नहीं जानता, जिसकी श्रद्धा अस्थिर है उसकी बुद्धि भी पूर्ण नहीं हो सकती ना उसे सुख प्राप्त हो सकता है।

शहर के हनुमान धाम पर दो दिवसीय सत्संग से पूर्व पत्रकारों से वार्ता करते हुए बाबा फुलसंदे वालों ने कहा कि चित्त सदा चंचल है इसमें बहुत से विकार आते रहते हैं इसमें ज्ञान क्षण भर को ठहरता है, इसमें ज्ञान ज्योति को रोक कर रखना कठिन है और इसका निवारण करना भी दुष्कर है। ऐसे चित्त को ज्ञानी पुरुष उसी प्रकार सीधा करता है जैसे बाण बनाने वाला लोहार यत्न पूर्वक बाण को आग में तपा कर छेद कर अनेक प्रयास करके उसे ठीक करता है। उन्होंने कहा कि जिसका मन अस्थिर है जो धर्म आचरण को नहीं जानता, जिसकी श्रद्धा अस्थिर है उसकी बुद्धि भी पूर्ण नहीं हो सकती ना उसे सुख प्राप्त हो सकता है। अगर वह धैर्य रखें तो बहुत से संकट और आपदा टल जाती हैं। बाबा फुलसंदे वालों ने कहा कि इस शरीर को घड़े के समान अनित्य समझो, चित्त को नगर में भटकने वाला कुत्ता समझो। मन को जीत लेने पर ही जीवन की रक्षा हो पाती है। जो चरित्रवान और अधिक विनम्र तथा अधिक धर्म आचरण करने वाला अपने को शिक्षित करने वाला पुरुष है। देवपुत्र धर्मार्थ सेवा समिति के पदाधिकारियों सच्चू प्रधान, अजय कुमारविशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

सुकून के साथ अदा की गई नमाजे ईद, की दुआ

ईद की महकती खुशबू का हुआ समायोजन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), जिला पाकुड़ सहित पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ ईद- उल- फितर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। ईद के शुभ मुहूर्त पर लोग अहले सुबह स्नान कर नमाजे ईद के लिए अपने-अपने ईदगाह में गये और नियमानुसार नमाज ईद अदा करने के पश्चात लोग देश की तरक्की अमन-चैन, सुकून व सलामती के लिए दुआएं की। नमाजे ईद की महकती खुशबू की चेहरे पर मुस्कुराहट संजोयने के साथ एक- दूसरे के गले लगे एवं ईद मुबारक देते हुए नजर आये। लग रहा था कि ईद की महकती खुशनुमा पल का समायोजन हुआ। नमाजे ईद सुकून और शान्तिपूर्ण माहौल में अदा करने के ध्यानार्थ त्यौहार की खुशीयत को उत्कृष्ट आयाम देने की दिशा में जिला प्रशासन भी एक्टिव देखे गये, हर चौक- चौराहे, नमाजे ईदगाह के आस-पास अन्य में भी सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई

थी। काफी सुरक्षा बलों की तैनाती देखी गई, साथ ही सुरक्षा बलों के द्वारा हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही थी। ईदगाह से वापस अपने घर लौटते वक्त लोगों के चेहरे में ईद की मुस्कान तो देखी ही गई, लेकिन इस खुशनुमा पल में सबसे ज्यादा नन्हे- मुन्ने बच्चे बेहद खुश नजर आया। वही ईद के ध्यानार्थ पुख्ता सुरक्षा इंतजामों की सुव्यवस्थित व्यवस्था का डीसी -एसपी ने जायजा भी लिया। इस दौरान लोगों से मिले, बच्चों के साथ खुशियां भी बांटते हुए नजर आये। वही डीसी -एसपी के पहुंचते ही ईदगाह में मौजूद लोगों के चेहरे पर एक अजीब सी चमक व्याप्त रहा। मानो हृदय की खुशी चेहरे पर मुस्कुराहट को दावत दे गया। बाहरेहाल जो भी हो त्यौहार को ले जिला प्रशासन हर दृष्टिकोण से एक्टिव नजर आया, सभी चौक- चौराहों समेत सेंसिटिव एरिया में हर गतिविधियों पर सुरक्षा बलों के द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है, सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की नजर है, ऐसी कोई भी गतिविधि नजर आने पर डायल 112 या फिर नजदीकी थाना में सूचना देकर आदर्श नागरिकता का परिचय देते हुए सहयोग करने की जिला प्रशासन अपेक्षा रखती है।

श्याम यादव ने तुरसाडीह गांव में श्री राम कथा सह संगीतमय प्रवचन मंच का किया उदघाटन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), रविवार शाम को झामुमो पाकुड़ इकाई के पूर्व जिलाध्यक्ष सह- सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव हिरणपुर ब्लॉक अन्तर्गत तुरसाडीह गांव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंच कर श्री राम चरित्र मानस कथा सह- संगीतमय प्रवचन कार्यक्रम मंच को फीता काट एवं दीप प्रज्वलित कर उदघाटन किया। मंच के कथा वाचक मानस मंजरी लक्ष्मी रानी उपस्थित हुए। उने सुने के लिए सैकड़ों श्रोता गण उपस्थित हुए वही श्याम यादव जी ने संबोधन में सभी श्रोताओं से कथा वाचक के वाणी को ध्यान तथा शांति पूर्ण तरीके से सुनने की अपील किया। मौके पर प्रधान लाल यादव ,सूदन यादव ,लाल चाँद यादव , अनिल यादव , प्राण यादव, मंच शांचालन प्रकाश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम में पाकुड़ कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हुए शामिल

एनपीटी ब्यूरो

राजधानी रांची में 26 से 30 मार्च तक हो रहे संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम 2025 का आयोजन रांची के पुराना विधानसभा में बतौर मुख्यातिथि झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू के उपस्थिति में आयोजित हुई। कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष शामिल हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के निर्देश पर पूरे भारत में संगठन को सशक्त बनाने के लिए सीधा संवाद कार्यक्रम किया गया। उसी की परिप्रेक्ष्य के सापेक्ष पाकुड़ जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार एवं साहेबगंज जिलाध्यक्ष बरकतुल्लाह खान भी उपस्थित हुए। जिला अध्यक्ष ने जिले के संगठन में हो रहे कार्यों को प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के समक्ष रखा। प्रभारी के राजू के समक्ष जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओ की परेशानी को भी रखते हुए उसे समाधान करने की आग्रह किया। जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने कहा की जिला में संगठन मजबूत है ओर आने वाले दिनों में जो दिशा- निर्देश मिलेगा, उसपर कार्य करेंगे। बैठक में सभी जिला अध्यक्ष, मंत्री गण, पूर्व मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित थे।

विधायक हेमलाल मुर्मू पहुंचे झेनागड़िया ईदगाह, हाजी समद अली से गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड क्षेत्रान्तर्गत झेनागड़िया स्थित ईदगाह मैदान में आयोजित ईद की नमाज में पहुंचे लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू ने झामुमो जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि रमजान के मुबारक महीने के खत्म होने के बाद ईद का त्यौहार खुशियां लेकर आता है। ईद सिर्फ एक त्यौहार नहीं, बल्कि यह इंसानियत, भाईचारे और प्रेम का जश्न है। आप सभी को ईद की ढेर सारी मुबारकबाद। ईद की नमाज में शामिल होकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पाकुड़ जिले सहित झारखण्ड के विकास के साथ- साथ तमाम प्रदेशवासियों के लिए अमन, शान्ति और खुशहाल जीवन की दुआ मांगी। मौके पर जाकिर अंसारी, दानियल किस्कू, अल्फाज सहित अन्य मौजूद थे।

सुदेश महतो ने बच्चों के साथ मनाई ईद

एनपीटी ब्यूरो

रांची, पूर्व उपमुख्यमंत्री सह- आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने छोटेझछोटे बच्चों के साथ ईद मनाई। उन्होंने राज्यवासियों को भी ईद की बधाई दी है। सुदेश महतो आजसू के केन्द्रीय सदस्य मो.मोहसिन खान के बरियातू बस्ती स्थित आवास पर पहुंचे और ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने मो.खान के परिजनों के साथ-साथ बस्ती निवासियों से भी मुलाकात कर बधाई दी तथा बच्चों के साथ ईद की खुशियां बांटी। इसके बाद महतो ने जोन्हा में मो. बबलू के निवास पर पहुंचकर सभी को ₹ईद उल फितर₹ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने पूरे प्रदेश में सौहार्द, भाईचारा और अमन-चैन का माहौल बनाए रखने की अपील भी की।

त्योहारों से पहले पुलिस एक्टिव मोड में, असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए तैयार, आयोजित की गई मॉक ड्रिल

एनपीटी ब्यूरो

रांची । त्योहारों का सीजन आ रहा है। ईद, सरहुल और रामनवमी पर राजधानी रांची में कई आयोजन किए जाते हैं। ऐसे में रांची पुलिस प्रशासन का दायित्व बढ़ जाता है। त्योहारों के बीच किसी भी प्रकार की अनहोनी न घटे, इसके लिए रांची पुलिस तैयार है।

झारखंड की राजधानी रांची में ईद, सरहुल और रामनवमी भव्य रूप से मनाई जाती है। काफी तादाद में लोग रांची के सड़कों में अपने परिवारजनों के साथ निकलते हैं। ऐसे में असामाजिक तत्वों के द्वारा कोई अप्रिय घटना को अंजाम न दिया जाए, इसके लिए रांची पुलिस तैयारियों में जुट चुकी है।

रांची पुलिस लाइन में सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसके तहत पुलिस कर्मियों को ट्रेनिंग दी गई। कैसे असामाजिक तत्वों से निपटें। बता दें कि सरहुल और रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान उपद्रवियों के द्वारा माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है। इसके लिए रांची पुलिस तैयार है। अत्याधुनिक हथियारों से लैश पुलिसकर्मियों ने मॉक ड्रिल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मॉक ड्रिल के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए रांची एसपी राजकुमार मेहता ने कहा, रांची की जनता शांति पूर्वक त्योहारों को माना पाए। इसके लिए पुलिस तत्पर है। साथ ही साथ उपद्रवियों को संदेश है कि अगर त्योहारों के दौरान रांची के माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया जाएगा तो उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। रांची पुलिस असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए तैयार है।

बता दें कि ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर स्पेशल ब्रांच ने अलर्ट जारी किया है। स्पेशल ब्रांच के अलर्ट में बताया गया है कि त्योहारों के दौरान असामाजिक तत्व नशीले पदार्थों का इस्तेमाल कर माहौल बिगाड़ने का कार्य कर सकते हैं।

विधायक राय बोले- गैंगस्टर अनुज कनौजिया की हत्या की हो जांच, ताकि पता लगे किसके लिए करता था काम

जमशेदपुर। झारखंड के जनता दल (यूनाइटेड) विधायक सरयू राय ने गैंगस्टर अनुज कनौजिया की मौत की सीबीआई जांच की मांग की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसके लिए काम करता था। उन्होंने कहा कि वह महीनों तक जमशेदपुर में छिपा रहा, जिससे संकेत मिलता है कि वह यहां किसी मकसद से आया होगा।

झारखंड के जनता दल (यूनाइटेड) विधायक सरयू राय ने रविवार को गैंगस्टर और शूटर अनुज कनौजिया की मुठभेड़ में हुई हत्या की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच से यह पता लगाया जा सकता है कि वह किसके लिए काम करता था। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और झारखंड पुलिस ने शनिवार को संयुक्त अभियान चलाकर गैंगस्टर अनुज को जमशेदपुर में मुठभेड़ में मार गिराया था। उस पर 2.5 लाख रुपये का इनाम था।

गैंगस्टर को किसने महीनों तक दी शरण -पूर्व कैबिनेट मंत्री और खउन्न विधायक ने कहा कि पुलिस को उन ताकतों का पता लगाना चाहिए, जिन्होंने कनौजिया को महीनों तक स्टील सिटी में छिपाकर रखा। इसके लिए पुलिस को एसआईटी गठित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसी को ऐसे पहलुओं की भी जांच करनी चाहिए, जिसमें विशेष शाखा और स्थानीय पुलिस यह पता नहीं लगा सकी कि कनौजिया शहर में छिपा है।

उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में गैंगस्टर महीनों तक छिपा रहा, जिससे संकेत मिलता है कि उसे आपराधिक गिरोहों से समर्थन मिल रहा था। राय ने आशंका जताई कि कनौजिया बिना किसी मकसद के यहां नहीं आया होगा। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना होगा कि उसे किसने और क्यों शरण दी थी।

लखनऊ में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्तार अंसारी गिरोह के प्रमुख शार्पशूटर कनौजिया को पुलिस और गैंगस्टर के बीच भारी गोलीबारी के बाद मार गिराया गया।

सरहुल पर्व आदिवासी समाज की आत्मा है, यह प्रकृति समेत संस्कृति और समुदाय का संगम है- विजय शंकर

एनपीटी ब्यूरो

रांची, सरहुल, झारखण्ड और मध्य-पूर्वी भारत के आदिवासी समुदायों का एक प्रमुख पर्व है, जो प्रकृति के प्रति उनकी गहरी आस्था और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। यह उत्सव मुख्य रूप से मुंडा, उरांव (कुड़ुख), संथाल, हो, भूमिज और खड़िया जैसे आदिवासी समुदायों द्वारा मनाया जाता है। सरहुल का आयोजन चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलता है, जो वसंत ऋतु के आगमन और नए साल की शुरूआत का संकेत देता है। यह पर्व न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। सरहुल का अर्थ और उत्पत्ति ₹सरहुल₹ शब्द दो शब्दों से मिलकर बना हैः ₹सरर₹ या ₹साख़्ड्ढ़ेर₹ (साल वृक्ष) और ₹हुलर₹ (उत्सव)। साल वृक्ष आदिवासियों के लिए पवित्र माना जाता है और उनकी प्रकृतिवादी जीवनशैली का आधार है। यह पर्व उनकी उस मान्यता को दशार्ता है कि प्रकृति ही जीवन की संरक्षक और पोषक है। सरहुल की उत्पत्ति को लेकर कोई लिखित इतिहास नहीं है, लेकिन यह माना जाता है कि यह प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा है, जो आदिवासियों के प्रकृति-केंद्रित सरना धर्म से जुड़ी है। सरहुल का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्रकृति की पूजाः सरहुल में साल के फूलों, पत्तियों और फलों के साथ-साथ जंगल, पहाड़ों और ग्राम देवताओं की पूजा की जाती है। यह पर्व प्रकृति के पुनर्जनन और फसलों की समृद्धि की कामना से जुड़ा है। नए साल का स्वागतः आदिवासी समुदायों के लिए सरहुल नए साल की शुरूआत का प्रतीक है। यह समय होता है, जब साल के पेड़ पर नए फूल खिलते हैं, जो जीवन और उर्वरता का संकेत देते हैं। सामुदायिक एकताः यह पर्व गांव के सभी लोगों को एक साथ लाता है। नृत्य, संगीत और भोज के माध्यम से सामाजिक बंधन मजबूत होते हैं। यहां तक कि गैर-आदिवासी समुदाय भी इसमें शामिल होकर उत्सव की शोभा बढ़ाते हैं। सरहुल की प्रमुख परंपराएँ और रीति-रिवाज, पूजा-अनुष्ठानः गांव का पुजारी (पाहन) और उसका सहायक (देउरी) सरना स्थल (जाहेर थान) पर पूजा का नेतृत्व करते हैं। साल के फूल, महुआ और जल के

साथ सूर्य देवता, ग्राम देवता और पूर्वजों की पूजा की जाती है। कुछ समुदायों में मुर्गे की बलि दी जाती है, जिसे प्रकृति को अर्पण माना जाता है। पुजारी द्वारा पूजा के बाद फूल और जल का वितरण किया जाता है, जो समृद्धि और शांति का प्रतीक है। नृत्य और संगीतः सरहुल का सबसे आकर्षक हिस्सा है पारंपरिक नृत्य। पुरुष और महिलाएँ रंग-बिरंगे परिधानों में मांदर, नगाड़ा और बाँसुरी की धुन पर नृत्य करते हैं। पाइका,चलिर₹ और कर्मा जैसे नृत्य इस उत्सव की शान हैं। हांडिया और भोजः चावल से बनी स्थानीय पेय ₹हांडिया₹ सरहुल का अभिन्न अंग है। इसे सामुदायिक भोज के साथ परोसा जाता है। लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, जिसमें मांस, चावल और स्थानीय सब्जियाँ शामिल होती हैं। प्रकृति से जुड़ावः इस दौरान जंगल में शिकार और पेड़ काटने पर प्रतिबंध रहता है, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सरहुल का समकालीन स्वरूप आज के समय में सरहुल का स्वरूप कुछ हद तक बदल गया है। शहरी क्षेत्रों में यह पर्व पारंपरिक रूप से कम और उत्सव के रूप में अधिक मनाया जाता है। राँची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे शहरों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, झाँकियाँ और प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाती हैं। सरकार भी इसे बढ़ावा देने के लिए छुट्टी घोषित करती है और विभिन्न आयोजन करती है।

हालाँकि, ग्रामीण क्षेत्रों में यह अभी भी अपनी मूल भावना के साथ मनाया जाता है। सरहुल और पर्यावरण संरक्षण सरहुल केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भी संदेश देता है। साल वृक्ष और जंगल की पूजा यह दशार्ती है कि आदिवासी समुदाय प्रकृति को अपने जीवन का आधार मानते हैं। यह पर्व आधुनिक समाज को यह सिखाता है कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कितना आवश्यक है। आज जब जलवायु परिवर्तन और वन कटाई वैश्विक समस्याएँ बन गई हैं, सरहुल की यह परंपरा और भी प्रासंगिक हो जाती है।

चुनौतियाँ और संरक्षण की आवश्यकता आधुनिकीकरण का प्रभावः शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण नई पीढ़ी सरहुल की परंपराओं से दूर होती जा रही है। सांस्कृतिक ह्रासः बाहरी धार्मिक प्रभाव और शिक्षा के अभाव में इस पर्व का मूल स्वरूप कमजोर पड़ रहा है। प्रकृति का विनाशः खनन और वन कटाई ने साल वृक्षों और सरना स्थलों को नुकसान पहुँचाया है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरहुल को स्कूलों में पढ़ाया जाना चाहिए, और इसके संरक्षण के लिए सामुदायिक जागरूकता बढ़ानी चाहिए। निष्कर्ष सरहुल पर्व आदिवासी समाज की आत्मा है। यह प्रकृति, संस्कृति और समुदाय का संगम है ।

ईद की नमाज पढ़ने जाते लोगों की पुलिस से हुई नोंकझोंक बैरियर पर रोका

नमाजियों को ईदगाह से पहले लगे बैरियर पर रोकने से हंगामा, पुलिस से हुई नोकझोंक..

DM अनुज सिंह-SSP सतपाल अंतिल ने लिया जायजा

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद । मुरादाबाद में ईद-उल-फितर की नमाज शांतिपूर्वक तरीके से दो बार में अदा करवाई गई। ईदगाह मैदान में नमाजियों को जाने से रोकने पर हंगामा हो गया। विरोध जताने पर नमाजियों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। हालात संभालने के लिए एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह मौके पर पहुंचे। इसके बाद दोबारा नमाज अदा करवाई गई। पुलिस ने बताया कि

ईदगाह के भर जाने केजरीवाल कारण सुरक्षा के लिहाज से लोगों को रोका गया। हंगामे को देखते हुए मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने लोगों को समझा कर शांत करवाया।

डीएम अनुज सिंह और एसएसपी सतपाल अंतिल पूरे मामले में नजर बनाए हुए हैं। संभल में ड्रोन से पूरे एरिया की निगरानी की जा रही है। एसएसपी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे मामले का जायजा लिया। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

ईद मुबारक पर नमाज अदा कर गले मिले लोग

साहिबाबाद। रमजान के महीने के बाद चांद के दीदार के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की। उसके बाद नमाजियों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

इस मौके पर देश में तरक्की, अमन, खुशहाली,

सांप्रदायिक सौहार्द की अल्लाह से दुआ की गई।

राष्ट्रीय हैकाथॉन हैक हीस्ट 2025 का भव्य समापन प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को मिला सम्मान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ। एमआईईटी में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय हैकाथॉन हैक हीस्ट 2025 का समापन तकनीकी नवाचार और उत्साह के साथ हुआ। इस हैकाथॉन का आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम के सहयोग से किया गया। 36 घंटे तक चले इस मैराथन कोडिंग प्रतियोगिता में देशभर से आए 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के पहले दिन प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर विभिन्न समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। दूसरे दिन एलिमिनेशन राउंड के बाद 50 में से शीर्ष 13 टीमों का चयन किया गया। सभी प्रतिभागियों को अभिषेक दोशी द्वारा विशेष उपहार प्रदान किए गए।

इस प्रतिष्ठित हैकाथॉन में टीम आर्बिटिज्म के उत्कर्ष और प्रखर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,टीम को 25 हजार का चेक दिया। टीम हिसाइपेर के आलोक सिंह और आदर्श सिंह दूसरे स्थान पर रहे,जिन्हे 15 हजार का चेक दिया। जबकि टीम कोडीज के समर्थ शर्मा, वैभव शर्मा, पीयूष शर्मा और पार्थ शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया,जिन्हे 10 हजार का चेक दिया।

इसके अलावा, हैकाथॉन के हायरिंग पार्टनर सॉन्ग जीपीटी ने चार उत्कृष्ट प्रतिभागियों को करियर के सुनहरे अवसर प्रदान किए। समापन समारोह में निर्णायक मंडल के सदस्य अर्पण गर्ग, दिपांश आर्य और उज्जवल पूनिया को भी सम्मानित किया गया। शीर्ष 10 टीमों को विशेष पुरस्कार देकर उनकी उत्कृष्टता को सराहा गया। हैक हीस्ट 2025 ने नवाचार और तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहित करते हुए युवाओं को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि उनके कौशल को उद्योग जगत में पहचान भी दिलाई।

इस अवसर पर एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ. एस.के. सिंह, प्रो. डॉ. शैलेन्द्र एन. सिंह, डॉ. विकास श्रीवास्तव, डॉ. रामबीर सिंह, डॉ. स्वाति शर्मा, रोहित अग्रवाल, कृष्ण कुमार शर्मा और रेहान अहमद सहित कई प्रमुख शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में हर्षित गोयल, देव चौहान, तनिष्क तल्यान, पलक सिंघल, आशी वर्मा, दीपंशी गुप्ता, हिमांशु कुमार, कुंज अग्रवाल, वाणी गौतम, विशेष जिंदल, अभिजीत चौहान, मनस्वी गोयल, ख्याति मलिक, निर्देश त्यागी और सुमित अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं की पुलिस से हुई झड़प सांसद के खिलाफ कर रहे थे प्रर्दशन

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर के कार्यकताओं की राज्य सांसद का पुतला जलाने को लेकर पुलिस से जोरदार झड़प हुई। बाद में कार्यकताओं ने पुतला जला दिया। रविवार को खुशहालपुर चौराहे पर सपा के राज्यसभा सांसद का प्रतीकात्मक पुतला जलाकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की, लेकिन एबीवीपी

के कार्यकताओं ने प्रतीकात्मक पुतला फूंक दिया। महानगर मंत्री गौरव क्षत्रिय ने बताया कि महाराणा सांगा एक देशभक्त थे, उन पर सपा सांसद की टिप्पणी बर्दाश्त करने लायक नहीं है। इस मौके पर विभाग संगठन मंत्री पुनीत अग्रवाल, प्रांत एसएफएस सहसंयोजक छविनाथ अरोड़ा, महानगर सहमंत्री श्रुति सिंह, साहिल कठेरिया, शोभित राघव, प्रसून माथुर, राजा शर्मा, मयूर पाल, शिवा, रॉबिन चौधरी, तेजस कपूर, अनमोल पंडित, सचिन यादव आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. हरीश मिश्र - संरचना अभियन्ता को मिला विद्या-सागर (डी.लिट./ उच्च डाक्टेट समतुल्य सम्मान)

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

हिन्दू नव वर्ष के शुभ अवसर पर परिवर्तन योगेश संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिन्दू नववर्ष स्वागत- सम्मान उत्सवर समारोह में काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी के आदरणीय

कुलाधिपति श्री सुखमंगल सिंह 'मंगल' ,कुलपति डॉ संभाजी राजाराम बाविस्कर, राष्ट्रीय/अन्तार्राष्ट्रीय महासचिव एवं संयोजकः काशी हिन्दी विद्यापीठ एवं परिवर्तन योगेश के संस्थापक डॉ योगेश तरेहन, महर्षि भारद्वाज सनातन अखाड़ा,प्रयागराज के पीठाधीश्वर परम पूज्य श्री श्री 1008 डॉ कृष्णानन्द जी महाराज , डॉ. ममता नौगरैया प्रकृति और साहित्य की समर्पित लेखिका(कवि बंन्धू श्री मैथिली शरण गुप्त जी के परिवार से) , एवं महामण्डलेश्ववर डॉ. एन एन त्रिपाठी द्वारा विद्या-सागर मानद सम्मान (डी.लिट./ उच्च डाक्ट्रेट समतुल्य) प्रदान किया गया।

यह सम्मान डॉ. हरीश मिश्र को उनकी सुदीर्घ हिन्दी सेवा / सारस्वत साधना / कला के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ / शैक्षिक प्रदेयों / महनीय शोधकार्य / सेवाकार्य तथा राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर विद्यापीठ की अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर विद्या-सागर मानद सम्मान प्रदान किया गया।

सभी माननीय अतिथियों द्वारा डॉ.हरीश मिश्र जी के उज्वल भविष्य की कामना की गयी तथा समाज को हमेशा उनके उत्कृष्ट कार्यों द्वारा सहयोग एवं दिशा मिलती रहेगी।

डॉ. हरीश मिश्र-संरचना अभियन्ता के उत्कृष्ठ कार्यों के लिए कई सम्मानो से सम्मानित किय जा चुका है।

प्रमुख प्राप्त सम्मान :

भारत रत्न अटल परिवर्तन सम्मान
केशव राष्ट्र रत्न सम्मान
राष्ट्रीय वल्लभ सम्मान
विकसित भारत भूषण सम्मान
धर्म रक्षक सम्मान
ब्राह्मण गौरव सम्मान

पार्सल में कीमती सामान बताकर 75 हजार रुपये ठगे

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

गाजियाबाद। मधुबन-बापूधाम क्षेत्र में पार्सल छुड़ाने के नाम पर अमित कुमार से 75 हजार रुपये की ठगी हो गई। ठग ने पार्सल में कीमती सामान होने की बात कहते हुए जीएसटी जमा करने का झांसा दिया था। मामले में अमित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

अमित कुमार ने बताया कि उनके पास अज्ञात नंबर से फोन आया था। बात करने वाले ने कहा कि उनका पार्सल आया है। जिसमें कीमती सामान है। पार्सल की डिलीवरी तब होगी, जब वह सामान पर लगने वाली 75 हजार की जीएसटी जमा कर देंगे। आरोपी ने उनको एक नंबर भेज दिया, जिसमें उन्होंने 75 हजार रुपये जमा कर दिए। इसके बाद उसने संपर्क तोड़ दिया। इसके बाद न ही कोई पार्सल उनके पास आया। मामले में उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। एसीपी स्वतंत्र कुमार ने बताया कि जिस खाते में रकम ट्रांसफर हुई है, वह बुलंदशहर की बैंक शाखा में संचालित है। आरोपी की पहचान कर उसको गिरफ्तार किया जाएगा।

12 लाख नहीं लौटाए, दे रहे धमकी

गाजियाबाद। सदरपुर के प्रवीण कुमार से जानकारों ने 12 लाख रुपये दो माह के लिए उधार लिए थे। अब वह रुपये लौटाने से मना कर रहे हैं और उनको जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामले में पुलिस ने उपेंद्र व आशीष सिरोही के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

प्रवीण कुमार ने बताया कि उनकी जान पहचान उपेंद्र सिरोही व उसके बेटे आशीष से थी। उन्होंने खुद को एक कंपनी का निदेशक बताया था। आरोपियों ने उनसे 12 लाख रुपये दो माह के लिए उधार लिए थे। दो माह का समय बीतने के बाद आरोपी उनसे कहने लगे कि पैसा लौटाने में थोड़ा समय और लगेगा। मार्च में उन्होंने अपनी सख्त जरूरत बताकर पैसा मांगा तो उन्होंने पैसा लौटाने से मना कर दिया। अब वह उनको जान से मारने की धमकी देने लगे। बाद में पता चला कि दोनों पिता-पुत्र पर बुलंदशहर समेत कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं। वह पेशेवर अपराधी हैं। कई लोगों को पहले भी इसी तरह ठग चुके हैं। एसीपी स्वतंत्र कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता से लेनदेन के साक्ष्य मांगे गए हैं।

आत्महत्या की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

गाजियाबाद। मसूरी में आत्महत्या की धमकी देकर युवक को ब्लैकमेल करने की घटना सामने आई है। मामले में अदनान ने जाहिद नाम के युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को शिकायतकर्ता ने वीडियो भी उपलब्ध कराए हैं।

मसूरी निवासी अदनान ने बताया कि जाहिद पूर्व में कई बार उनके खिलाफ मसूरी और नंदग्राम थाने में झूठे आरोप लगाकर शिकायत दे चुका है। वह आत्महत्या करने की धमकी देते हुए वीडियो बनाकर ब्लैकमेल भी करता है। इस बार भी उसने ऐसा ही किया और उनके खिलाफ वीडियो बनाकर अपने परिवार वालों को भेजकर खुद की फर्जी गुमशुदगी लिखा दी। मधुबन बापूधाम थाना पुलिस ने उन्हें बुलाया तो उन्हें इसका पता चला। आरोपी उनसे शिकायत खत्म कराने की एवज में पैसे की मांग करता है। एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की पुरानी शिकायतों का रिकॉर्ड निकलवाया गया है। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूजा के दीये से घर में लगी आग, सामान जला

मुरादनगर। कुटी रोड सहबिस्वा कॉलोनी में पूजा के दीये से रविवार को घर में आग लग गई। आग लगने से घर में रखा सारा सामान जल गया।

सहबिस्वा कॉलोनी निवासी पवन कुमार के घर में नवरात्र के पहले दिन परिवार के सभी लोगों ने पूजा अर्चना की थी। इस दौरान दीया भी जलाया गया था। वह किसी काम से कहीं चल गए बच्चे मकान का ताला लगाकर अपनी नानी के घर चले गये थे। रविवार सुबह करीब 11 बजे कॉलोनी के लोगों ने मकान से धुंआ निकलता देखा तो सूचना पवन कुमार को दी। कुछ ही देर में आग और तेज हो गई, मौके पर कॉलोनी के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, कॉलोनी के लोगों ने अपने अपने घरों से पानी लाकर आग पर डाला, कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक आग में सारा सामान जल चुका था।

नवरात्र के पहले दिन तीन हजार लोगों को नहीं मिला गंगाजल

गाजियाबाद। न्यायखंड, अभयखंड और ज्ञानखंड में रविवार सुबह गंगाजल की आपूर्ति नहीं हुई। नवरात्र के पहले ही दिन गंगाजल न मिलने से तीन हजार से अधिक लोगों को गंगाजल की किल्लत से जूझना पड़ा। लोगों ने बाजार से बोतलबंद पानी खरीदकर पूजा व अन्य घरेलू काम निपटाए।

स्थानीय निवासी कविता गुप्ता ने बताया कि सुबह उठने के बाद मोटर चालू किया तो गंगाजल नहीं आया। कई घंटे इंतजार करने के बाद बाजार से पानी खरीदना पड़ा। पानी नहीं होने की वजह से घर की साफ-सफाई और अन्य कामों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय निवासी अंजू देवी ने बताया कि कॉलोनी में गंगाजल नहीं आने की समस्या आए दिन बनी रहती है। कभी आपूर्ति बंद हो जाती है, तो कभी कम प्रेशर से आता है। इससे ऊपरी मंजिल के लोगों को आपूर्ति नहीं हो पाती है। बार-बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। व्रत के दिन भी गंगाजल नहीं आने की वजह से लोगों के घरेलू कामकाज भी प्रभावित हुए। जीएम जलकल विभाग केपी आनंद का कहना है कि प्रर्याप्त मात्रा में गंगाजल आपूर्ति की जा रही है। जहां भी आपूर्ति नहीं होती है, निरीक्षण कर आपूर्ति की जा रही है।

बिजली की खबर के साथ जोड़ : नेहरुनगर में दो घंटे गुल रही बिजली-

गाजियाबाद। नेहरुनगर में शाम करीब पांच बजे बिजली गुल हो गई। करीब दो घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रही। इससे एक हजार से अधिक लोगों को परेशान होना पड़ा। इसी प्रकार से विजयनगर, कविनगर, कैलाभट्ठा, सीताराम बाजार समेत अन्य स्थानों पर भी दो से तीन घंटे बिजली गुल रही। गाजियाबाद को नो पावर कट जोन में रखा गया है। बावजूद इसके गर्मी शुरू होते ही बिजली की कटौती ट्रिपिंग के नाम पर शुरू हो गई है। इससे लोगों की समस्या बढ़ गई है। नेहरुनगर के एसडीओ प्रमोद कुमार ने बताया कि जफर उड़ने के कारण बिजली कट गई थी। इसको दुरुस्त कराकर सप्लाई शुरू करा दी गई।

स्कूल के पास नहीं खुलेगी शराब की दुकान, डीएम ने दिया निर्देश

गाजियाबाद। विजयनगर सेक्टर नौ में बालिका स्कूल के पास अब शराब की दुकान नहीं खुलेगी। शिकायत के बाद जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जिला आबकारी अधिकारी को यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल के पास शराब, तंबाकू-गुटखे की दुकानों नहीं खुलनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वह अभियान चलाकर स्कूल के पास संचालित होने वाली ऐसी दुकानों को तत्काल हटवाएं।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी॰ प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।